04 - अमीर देशों की उदासीनता दूर कर पाएगा सम्मेलन

05 - अभिज्ञानशाकुंतलम् : एक पुनर्विचार

06 - ब्राह्मण समाज का सम्मान समारोह एवं दीपावली मिलन कार्यक्रम संपन्न

07- केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने आनंद उच्चतर...

सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 12 नवंबर, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 46, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

(डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

प्रसंगवश

ईरानी महिला का हिजाब विरोध : भारतीय 'उदारवादियों' का समर्थक क्यों नहीं?

आमना बेगम

एक तरफ तानाशाही के खिलाफ लड़ाई है, दूसरी तरफ 'उदारवादी' मुस्लिम महिलाएं हैं जिन्हें सहयोगी माना जाता है। दुख की बात है कि बहस को कमज़ोर करने से मूल मुद्दे से ध्यान भटक जाता है। ईरान के शासन द्वारा हिजाब लागू करने की घटना ने एक बार फिर दुनियाभर में सुर्खियां बटोर ली हैं, हाल ही में एक फारसी महिला को विरोध के तौर पर सार्वजनिक रूप से लगभग निर्वस्त्र दिखाया गया है। कथित तौर पर हिजाब को अनुचित तरीके से पहनने के कारण हिरासत में ली गईं महसा अमिनी की मौत की यादें अभी भी दर्दनाक रूप से ताज़ा हैं।

यह काफी दुखद है कि 21वीं सदी में भी ईरान में महिलाएं व्यक्तिगत अधिकार के लिए संघर्ष कर रही हैं. ऐसा नहीं है कि ईरान के लोग बदलाव नहीं चाहते हैं, ईरान में दृष्टिकोण का विश्लेषण और मापन करने वाले समूह (GAMAAN) द्वारा 2020 में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार - 72 प्रतिशत ईरानी अनिवार्य हिजाब कानून का विरोध करते हैं, जबकि 58 प्रतिशत ने कहा कि वे हिजाब में बिल्कुल भी यकीन नहीं करते हैं। हालांकि, ईरानी अधिकारी इसे राजनीति के चश्मे से अवज्ञा के रूप में देखते हैं।

आइए स्पष्ट करें, ईरानी शासन एक सत्तावादी व्यवस्था की तरह काम करता है जहां सर्वोच्च नेता और उनके वफादार देश के राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य को मजबूती से नियंत्रित करते हैं। जैसा कि सत्तावादी शासन के साथ होता है, नेतृत्व के भीतर काफी खौफ मौजूद है कि कोई भी बदलाव, चाहे कितना भी छोटा क्यों न हो, सत्ता पर शासन की पकड़ को कमज़ोर कर सकता है। ऐसे धर्मतंत्रीय सत्तावादी शासन में, मामूली समायोजन को भी सिस्टम में कमज़ोरी की तरह देखा जा सकता है, जो एक मिसाल कायम करता है जो सुधार या बदलाव की आगे की मांगों को प्रेरित कर सकता है। इसलिए, ईरानी अधिकारियों के लिए हिजाब कानूनों में ढील देना न केवल उनके धार्मिक और वैचारिक रुख को कमज़ोर करेगा, बल्कि व्यापक स्वतंत्रता के लिए खुलेपन का संकेत भी देगा, जिससे शायद वह बचना चाहते हैं।

महिलाओं पर जबरन हिजाब पहनने का बचाव करने के लिए लंबे समय से शालीनता का इस्तेमाल किया जाता रहा है, यह दावा करते हुए कि यह महिलाओं को सार्वजनिक रूप से सुरक्षित रखता है। यह वही पुराना पितृसत्तात्मक तर्क है जो यह सुझाव देता है कि महिलाओं की सुरक्षा वास्तविक मुद्दे पर बात करने के बजाय उनके पहनावे पर निर्भर करती हैः महिलाओं के प्रति समाज का रवैया. वास्तव में, यह पीड़िता को दोषी ठहराने का एक तरीका है जो महिलाओं को उनके खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार ठहराता है; महिलाओं को सुरक्षा के 'योग्य' होने के लिए अपने व्यवहार और कपड़ों में बदलाव करने चाहिए। यह दोषपूर्ण तर्क लिंग आधारित हिंसा के मूल कारणों को संबोधित करने में विफल रहता है और इसके बजाय महिलाओं पर इसे रोकने की जिम्मेदारी डाल देता है।

बतौर महिला कोई भी यह उम्मीद कर सकता है कि उदारवादी उसके चुनाव के अधिकार की रक्षा करने और कानूनी रूप से अनिवार्य ड्रेस कोड की निंदा करने में स्वाभाविक सहयोगी होंगे। हालांकि, 'टाइम्स नाउ' पर एक बहस के दौरान, मैंने जो विचित्र तर्क देखे, उनसे मैं हैरान थी। मूल मुद्दे पर बात करने के बजाय वहां मौजूद लोगों ने ध्यान भटकाया या अनावश्यक बहस में लगे रहे, महिलाओं की स्वतंत्रता और स्वायत्तता पर वास्तविक बातचीत को दरकिनार कर दिया। उनमें से कुछ जिन्होंने कक्षाओं में लड़कियों के बुर्का और हिजाब पहनने के अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी, उन्होंने तर्क दिया कि ईरानी कानून शरिया पर आधारित हैं। मानो महिलाओं के चुनने के अधिकार को छीनना ठीक है। कई लोगों ने कहा कि सार्वजनिक रूप से कपड़े उतारना अभद्रता है और भारत में भी यह अस्वीकार्य होगा, इस तथ्य की अनदेखी करते हुए कि यह लागू किए गए हिजाब के खिलाफ अवज्ञा के रूप में किया गया था।

जब लोग तर्क देते हैं कि हिजाब एक विकल्प है, लेकिन अधिकारियों द्वारा इसके लागू किए जाने की निंदा करने में विफल रहते हैं, तो यह उनके पाखंड को दिखाता है। उनकी चिंता एक महिला के चुनने के अधिकार का समर्थन करने के बजाय विशिष्ट कपड़ों का बचाव करने में लगती है। 'पसंद' सिर्फ एक सुविधाजनक तर्क है, न कि सिद्धांत के प्रति वास्तविक प्रतिबद्धता।

एक और सवालः भारतीय स्कूलों/कॉलेजों में हिजाब और बुर्का पर प्रतिबंध लगाने के बारे में क्या? जबकि भारत ने कभी भी महिलाओं के लिए किसी विशेष पोशाक पर राष्ट्रीय प्रतिबंध नहीं लगाया है, संस्थानों और कॉलेजों के अपने स्वयं के दिशानिर्देश या वर्दी हो सकते हैं। इस तरह की व्हाटअबाउटरी इस मुद्दे पर चर्चा करते समय अप्रासंगिक और अनावश्यक दोनों है, क्योंकि यह मूल विषय से ध्यान भटकाती है।

सबसे खास बात यह रही कि कुछ उदारवादी मुसलमानों ने हिजाब के लागू होने के खिलाफ ईरानी महिलाओं के विरोध को लेकर सोशल मीडिया पर गुस्सा दिखाया। उनका गुस्सा करूर कानून लागू होने के खिलाफ नहीं बल्कि नैतिकता पुलिस के चित्रण में कथित 'इस्लामोफोबिया' पर था। बेतुकापन तब और बढ़ गया जब हिजाब के खिलाफ विरोध करने वाली महिलाओं को नैतिकता पुलिस की 'बहनें' कहा गया। इतना ही नहीं, कुछ लोगों को ईरानी महिलाओं का समर्थन करने वाले लोगों से भी परेशानी थी। तर्क था कि अगर आप दुनिया के किसी भी हिस्से में मुस्लिम महिलाओं से सहमत नहीं हैं या उनके साथ एकजुटता नहीं दिखाते हैं, तो आपको ईरानी महिलाओं के लिए बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

एक तरफ पितृसत्तात्मक समाज और सत्तावादी ताकतों के खिलाफ लड़ाई है; दूसरी तरफ तथाकथित उदारवादी मुस्लिम महिलाएं हैं जिन्हें बुनियादी मानवाधिकारों, स्वायत्तता और चुनने की स्वतंत्रता की लड़ाई में सहयोगी माना जाता था, लेकिन दुख की बात है कि इस बातचीत को कमज़ोर करने या फिर से दिशा देने की कोशिशें - चाहे वह व्हाटअबाउटरी के ज़रिए हो, इस्लामोफोबिया के आरोपों के ज़रिए हो या फिर गेटकीपिंग के ज़रिए हो जो एकजुटता में खड़े हो सकते हैं - मूल मुद्दे से ध्यान हटाने का काम करती हैंः महिलाओं का उत्पीड़न के बिना जीने का अधिकार। मूल रूप से, यह बहस सिर्फ हिजाब के बारे में नहीं है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

आँख पर पट्टी रहे और
अक्ल पर ताला रहे
अपने शाहे-वक्त का
यूँ मर्तबा आला रहे

तालिबे शोहरत हैं कैसे भी
मिले मिलती रहे
आए दिन अख़बार में
प्रतिभूति घोटाला रहे

एक जनसेवक को दुनिया में
अदम क्या चाहिए
चार छः चमचे रहें माइक
रहे माला रहे।

– अदम गोंडवी

● स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में पीएम मोदी बोले

कुछ लोग देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं, हमें मिलकर उन्हें रोकना है

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा- कुछ लोग समाज को जाति, धर्म, भाषा, स्त्री-पुरुष, गांव-शहर में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हमें मिलकर उन्हें रोकना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के वडताल धाम में आयोजित कार्यक्रम में कहा- हमारी विरासत के हजारों साल पुराने केंद्रों का गौरव लौट रहा है। जिसे सभी ने नष्ट मान लिया था वो प्रकट हो रहा है। पीएम ने काशी और केदारनाथ मंदिर का भी जिक्र किया। पीएम ने विदेशों में देश से चोरी हुई सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियां वापस लाने की भी चर्चा की। मोदी ने अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा- 500 साल बाद एक सपने का पूरा होना, यानी 500 सालों तक कितनी ही पीढ़ियों ने उस सपने को जिया है। उसके लिए जूझते रहे हैं और जरूरत पड़ने पर बलिदान भी दिए हैं।

संत समाज वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दे

प्रधानमंत्री ने संत समाज को स्थानीय लोगों के द्वारा बनाई गई चीजों को प्रमोट करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा- स्वामी नारायण संस्था के संत समाज को वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा- भारत के युवाओं की डिमांड पूरी दुनिया में है। भारत का युवा देश ही नहीं विश्व की जरूरतें पूरी करने तैयार है।

● **स्वामी नारायण ने हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया-** पीएम ने कहा- भारत की विशेषता रही है जब भी मुश्किलें आई तब कोई न कोई, महर्षि, महात्मा अवतरित हुए हैं। भगवान स्वामी नारायण का आगमन भी उसी समय हुआ था जब देश सैकड़ों वर्ष की गुलामी के बाद कमजोर हो चुका था। तब भगवान स्वामी नारायण और अन्य संतों ने आध्यात्मिक ज्ञान दिया। साथ ही हमारे आत्मसम्मान को जगाया। हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया।

● **महाकुंभ में विदेशियों को लेकर आए संत-** मोदी ने कहा- स्वामी नारायण मंदिर की शाखाएं भारत के अलावा विदेशों में भी हैं। मेरा सभी संतो से निवेदन है कि वे विदेशों में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के बारे में लोगों को बताएं। उन्होंने विदेश की हर एक शाखा से कम-से-कम 100 लोगों को कुंभ दर्शन के लिए लाने की अपील की।

● **पीएम ने 200 रुपए का चांदी का सिक्का जारी किया-** गुजरात के खेड़ा जिले के वडताल में 7 से 15 नवंबर तक स्वामी नारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ का उत्सव मनाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

दिल्ली में सालभर पटाखा बैन पर 25 से पहले फैसला लें

● कोई धर्म प्रदूषण फैलाने को बढ़ावा नहीं देता; दिल्ली सरकार को 25 नवंबर की डेडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली सरकार से कहा कि दिल्ली में सालभर पटाखा बैन पर 25 नवंबर से पहले फैसला लें। दिल्ली सरकार के वकील ने कोर्ट के सामने कहा था कि हम पटाखा बैन को पूरे साल लागू करने का फैसला सभी संबंधित विभागों से सलाह के बाद लेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने दिल्ली पुलिस से कहा, दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधों को गंभीरता से लागू नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पटाखों पर बैन लगाने के लिए स्पेशल सेल बनाएं। दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह 25 नवंबर से पहले पटाखों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने का फैसला करे।

साफ हवा में सांस लेना मौलिक अधिकार- सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि कोई भी धर्म ऐसी किसी गतिविधि को प्रोत्साहित नहीं करता है, जिससे प्रदूषण फैलता हो। अगर इस तरह से पटाखे जलाए जाते हैं, तो इससे नागरिकों के स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार पर भी असर पड़ता है।

जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस संजीव खन्ना देश के 51वें चीफ जस्टिस बन गए हैं। सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। चीफ जस्टिस ऑफ

इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को रिटायर्ड हो चुके हैं। गौरतलब है कि जस्टिस खन्ना का कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का होगा। 64 साल के जस्टिस खन्ना 13 मई 2025 को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट जज के तौर पर जस्टिस खन्ना ने 65 फैसले लिखे हैं। इस दौरान वे करीब 275 बेंचों का हिस्सा रहे हैं।

घुसपैठिये की आदिवासी से शादी तो जमीन उसके नाम नहीं : अमित शाह

चंपाई सोरेन ने घुसपैठ रोकने को बोला, हेमंत ने कुर्सी से उतार दिया

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा के पहले चरण के प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सरायकेला में चुनावी सभा की। उन्होंने एक बार फिर कांग्रेस के महाराष्ट्र में मुस्लिमों को आरक्षण देने के वादे का जिक्र किया। कहा कि हमारे रहते मुस्लिमों को कभी आरक्षण नहीं मिलेगा। हम आदिवासियों का हक छीनकर मुस्लिमों को नहीं देने देंगे। घुसपैठिये ने आदिवासी लड़की से शादी की तो जमीन उसके नाम नहीं होगी। अमित शाह ने कहा- नोट गिनने वाली मशीनें थक गई, लेकिन पैसा खत्म नहीं हुआ। 350 करोड़ रुपए मोदी सरकार ने झारखंड के लोगों के लिए भेजा था वो हेमंत सरकार खा गई।

खुशखबर...

इंदौर की हुकुमचंद मिल की तर्ज पर करायेंगे जेसी मिल ग्वालियर के श्रमिकों का भुगतान, नए उद्योग भी आएंगे : मुख्यमंत्री

● जेसी मिल श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान के लिए सरकार प्रतिबद्ध ● जिलों में लम्बे समय से खाली पड़ी आवंटित भूमि का करेंगे उचित निराकरण ● मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर अभिभूत हुए जेसी मिल श्रमिक और उनके परिजन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मजदूरों के हित के लिये प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। इंदौर की हुकुमचंद मिल और उज्जैन की विनोद मिल की तर्ज पर जल्द ही ग्वालियर की जेसी मिल के श्रमिकों और प्रदेश की अन्य बंद मिलों की देनदारियों के भुगतान की कार्यवाही की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 30-40 साल से बंद पड़ी ग्वालियर की जेसी मिल के मजदूरों के प्रकरणों में 8 हजार से ज्यादा मजदूरों को उचित न्याय दिलाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को ग्वालियर की जेसी मिल का जायजा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जेसी मिल परिसर का भ्रमण किया, साथ ही नक्शे के माध्यम से जेसी मिल की जमीन और अन्य परिसम्पत्तियों की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अपने बीच पाकर जेसी मिल श्रमिक और उनके परिजन अभिभूत हो गए। सभी ने पुष्पाहारों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया। साथ ही कहा पहली बार कोई मुख्यमंत्री हमारी दुख-तकलीफ सुनने जेसी मिल तक आया है। अब हमें पूरा भरोसा है कि जेसी मिल पर लंबित हमारी वर्षों पुरानी देनदारियों का भुगतान हो जाएगा। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जेसी मिल श्रमिकों की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जेसी मिल श्रमिकों के हितों की रक्षा की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा सरकार मुकदमा नहीं समाधान चाहती है। इसी भावना के साथ सरकार न्यायालय में श्रमिकों के हित मे अपना पक्ष रखेगी, जिससे श्रमिकों की देनदारियों के भुगतान का रास्ता साफ हो सके।

ग्वालियर में आईटी इकाइयों को बढ़ावा दिया जायेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर में आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं। यहाँ के आईटी विशेषज्ञ युवाओं को बाहर न जाना पड़े, इसके लिये ग्वालियर में सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित इकाइयों को विशेष बढ़ावा दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिये रीजनल कॉन्क्लेव की श्रृंखला चलाई जा रही है। उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित हो चुकी हैं। इसी कड़ी में 7 दिसम्बर को नर्मदापुरम संभाग एवं जनवरी माह में शहडोल में रीजनल कॉन्क्लेव का आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने कहा संभाग स्तर पर रीजनल कॉन्क्लेव की श्रृंखला पूरी होने के बाद फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन होगा। प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिये विश्व भर के उद्यमियों को आमंत्रित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस कड़ी में वे जल्द ही जर्मनी व ब्रिटेन के दौरे पर निवेशकों को आमंत्रित करने के लिये जायेंगे। उन्होंने कहा इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव जैसे आयोजन से प्रदेश में उद्योग फ्रेंडली माहौल बना है, जिससे वृहद स्तर पर औद्योगिक निवेश हो रहा है। इससे प्रदेश के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

आज देवउठनी ग्यारस पर इंदौर समेत 7 जिलों में छुट्टी

स्कूल, कॉलेज और सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे, कलेक्टर ने जारी किए आदेश

भोपाल (नप्र)। दिवाली की लंबी छुट्टी के बाद एक बार फिर 12 नवंबर देवउठनी एकादशी (देव दिवाली) पर इंदौर, रतलाम, सागर, बैतूल, भिंड, छिंदवाड़ा और उमरिया जिले में छुट्टी रहेगी।

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह, रतलाम कलेक्टर राजेश बाथम समेत 6 अफसरों ने सोमवार को इसके आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार स्कूल, कॉलेज और सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे।रतलाम कलेक्टर राजेश बाथम ने 12 नवंबर 2024 मंगलवार का स्थानीय अवकाश घोषित किया है। इससे पहले राज्य सरकार ने गोवर्धन पूजा के उपलक्ष्य में 1 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था, जिसे रतलाम कलेक्टर ने निरस्त कर दिया था।

मांगलिक कार्यों की होगी शुरुआत- देवउठनी एकादशी से मांगलिक कार्यों की शुरुआत होगी। यह दिन देव दिवाली के रूप में जाना जाता है। घर-आंगन एक बार दीपों की रोशनी से जगमग होंगे तो आसमान में आतिशबाजी भी होगी।

1 साल में तीन अवकाश घोषित कर सकते हैं कलेक्टर- प्रदेश में सभी जिलों के कलेक्टरों को एक साल में तीन स्थानीय अवकाश घोषित करने के अधिकार राज्य शासन ने दिए हैं। यह स्थानीय अवकाश शासन द्वारा घोषित किए जाने वाले सार्वजनिक अवकाश से अलग होते हैं और स्थानीय उत्सव, त्योहार आदि के प्रयोजन में सार्वजनिक हित के मद्देनजर घोषित किए जाते हैं।

देवउठनी एकादशी पर शादी का मुहूर्त नहीं,नवंबर में दो, 8 महीने में 40 शुभ मुहूर्त- पौराणिक मान्यता है कि चार महीने की योग निद्रा के बाद भगवान विष्णु देवउठनी एकादशी के दिन जागते हैं, इसलिए इसे देव प्रबोधिनी एकादशी भी कहते हैं। इस दिन से ही मांगलिक कार्य शुरू होते हैं। इस साल 12 नवंबर को देव उठनी एकादशी के त्योहार से शादियों का सीजन शुरू होगा। इस बार खास यह है कि 8 महीने में 40 विशेष शुभ मुहूर्त हैं लेकिन देवउठनी एकादशी और 2 फरवरी को बसंत पंचमी पर्व पर शादी का एक भी मुहूर्त नहीं है

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 12 नवंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के मंत्री ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी को कालिया कहा

बोले- वो भाजपा से ज्यादा खतरनाक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के आवास मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने राज्य के पूर्व सीएम और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी को कालिया कहा। खान चन्नापटना विधानसभा सीट पर उपचुनाव में

कांग्रेस प्रत्याशी सीपी योगेश्वर के प्रचार के लिए पहुंचे थे। यहां से कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी जनता दल सेक्युलर से मैदान में हैं। खान ने रामनगर में रैली के दौरान कहा- सीपी योगेश्वर भाजपा में चले गए थे, लेकिन वे कांग्रेस में लौट आए हैं। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी से मतभेद के कारण वे निर्दलीय चुनाव लड़े। बाद में वे भाजपा में शामिल हो गए।

राहुल ने आईलव वायनाड लिखी टीशर्ट पहनी

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को केरल के वायनाड में अपनी बहन प्रियंका के लिए चुनावी रैली की। इस दौरान वे अपनी ट्रेडमार्क सफेद टीशर्ट में नजर आए, जिसके पीछे 'आई लव वायनाड' लिखा था।

प्रियंका के साथ रैली करते हुए उन्होंने वायनाड के लोगों को ये टीशर्ट दिखाई। राहुल ने कहा कि वायनाड के लोगों ने उन्हें इतना स्नेह दिया कि उनकी पूरी राजनीति का दृष्टिकोण बदल गया। यहां आने के बाद उन्होंने राजनीति में 'प्यार' शब्द का इस्तेमाल शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि आपसे मिले प्यार के प्रति आभार जताने के लिए मैंने 'आई लव वायनाड' टीशर्ट पहनी है।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू की राम मंदिर उड़ाने की धमकी

जालंधर (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने नया वीडियो जारी कर अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में इसका दावा किया गया है। वीडियो में वह राम मंदिर को निशाना बनाने की बात कह रहा है। साथ ही पन्नू ने कनाडा में भारतीय मूल के हिंदू सांसद चंद्र आर्य को भी धमकी दी है। पन्नू ने वीडियो जारी कर कहा कि 16 और 17 नवंबर को अयोध्या के राम मंदिर में हिंसा होगी। मीडिया इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। आतंकी पन्नू ने वीडियो में यह भी कहा कि हम हिंदुत्ववादी विचारधारा की जन्मस्थली अयोध्या की नींव हिला देंगे।

कश्मीर में आसमान से बरसी चांदी!

गुलमर्ग-साधना टॉप में ताजा बर्फबारी, घाटी ने ओढ़ी सफेद चादर

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर घाटी में सोमवार को जगह-जगह बर्फबारी हुई है। गुलमर्ग में ताजा बर्फबारी ने पर्यटकों को रोमांचित कर दिया है। अभी तक यहां दो इंच बर्फ जमा हो चुकी है और तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से कम है। साधना टॉप पर लगभग 4 इंच बर्फबारी दर्ज की गई है। उधर पीर की गली में भी हल्की बर्फबारी हुई है। गुलमर्ग इस समय गुलजार हो गया है। दरअसल, पर्यटकों के आवागमन के साथ-साथ यहां आज ताजा बर्फबारी हुई है। अब तक दो इंच बर्फ जमा हो चुकी है। जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी की वजह से जम्मू आने वाली कई फ्लाइट्स रद कर दी गई हैं। रविवार सुबह दिल्ली से आने वाला इंडिगो का विमान अपने निर्धारित समय से दस मिनट की देरी पर 8.55 बजे जम्मू एयरपोर्ट पर उतारा।

उसके बाद आसमान में धुंध ज्यादा छाने से एयरपोर्ट पर दृश्यता कम होने लगी। ऐसे में एयरपोर्ट पर विमानों को उतारने में जोखिम को देखते हुए लेह से आने वाला एयर इंडिया का सुबह 9.40 बजे आने वाला विमान जम्मू नहीं आया।

रणथम्भौर से 10 साल में 29 टाइगर गायब

टी-86 बाघ की मौत के बाद जागा वन विभाग, लापता बाघों के रिकॉर्ड खंगालेगी कमेटी

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में 3 नवंबर को बाघ टी-86 की हुई मौत के बाद खलबली मची है। लगातार हो रही बाघों की मौत और इनके गायब होने की घटनाओं ने विभागीय अधिकारियों के होश उड़ा दिए हैं। 4 नवंबर को चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन (सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू) पवन कुमार उपाध्याय ने रणथम्भौर से गायब बाघों की जांच को लेकर तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है।

यह कमेटी अगले 2 महीने में रिपोर्ट देगी। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से पिछले 10 साल में 29 बाघ, बाघिन और शावक गायब हुए हैं।

बाघ की हत्या के बाद मची खलबली

कुछ दिन पहले ही रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में टाइगर टी-86 की हत्या का मामला सामने आया था। बारूद से हमला करके टाइगर को मौत के घाट उतारा गया था। इसके अलावा उसकी बॉडी पर चोट के भी निशान थे। इस घटना ने एक बार फिर बाघों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए थे। आला अधिकारियों तक यह मामला पहुंचा और बाघों की कम हो रही संख्या को लेकर जवाब-तलब होने लगा। पुराने रिकॉर्ड खंगाले जाने लगा।

- बाघों को ढूंढने के क्या प्रयास हुए, इसकी भी जांच होगी- कमेटी में राजेश कुमार गुप्ता एपीसीसीएफ (अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अध्यक्ष, सीएफ टी. मोहनराज (जयपुर) और मानस सिंह डीएफओ (केवलादेव, भरतपुर) को सदस्य नियुक्त किया गया है। अब कमेटी गायब हुए बाघों के रिकॉर्ड की भी जांच करेगी। साथ ही, फील्ड में जाकर हालातों का जायजा लेगी। खास बात यह है कि कमेटी यह भी पता लगाएगी कि गायब बाघों को ढूंढने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों ने आखिर किस तरह के प्रयास किए। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलती है तो संबंधित अफसर-कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

खामियों को दूर करने के दिए जाएंगे सुझाव

कमेटी की ओर से रणथम्भौर की खामियों को दूर करने लिए सुझाव रिपोर्ट में दिए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर यह कमेटी विशेषज्ञों की राय भी ले सकती है। 15 जनवरी तक जांच रिपोर्ट आने की संभावना है।

जल्द रणथंभौर पहुंचेगी कमेटी

कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता का कहना है कि सबसे पहले सारे रिकॉर्ड की स्टडी की जा रही है। इसके बाद फील्ड में जाएंगे। टाइगर टैबिटाट के चलते इसे सनसनीखेज नहीं कहा जा सकता है। कमेटी के सदस्य मानस सिंह का कहना है कि अध्यक्ष के निर्देशानुसार सवाई माधोपुर आकर जांच शुरू की जाएगी।

ट्रैंकुलाइज करते समय ओवरडोज होने से हुई थी बाघ की मौत

साल 2023 के पहले ही महीने में 1 बाघ, 1 बाघिन और 1 शावक की मौत हुई है। 10 जनवरी को बाघ टी-57, 31 जनवरी को बाघिन टी-114 और उसके शावक की मौत हो गई थी। इसके अगले महीने में ही 9 फरवरी को बाघिन टी-19 (कृष्णा) की मौत हो गई थी। मई 2023 में फिर एक टाइगर ने दुनिया छोड़ दी थी। 10 मई को बाघ टी-104 को ट्रैंकुलाइज करते समय ओवरडोज देने से उदयपुर में उसकी मौत हो गई।

68 साल की बुजुर्ग की रेप के बाद हत्या की आशंका

अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे परिजन, गला घोंटने के निशान दिखे

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में 68 साल की बुजुर्ग महिला की बदमाशों ने गला घोंटकर हत्या कर दी। सामान्य मौत समझकर सोमवार सुबह परिजन महिला को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने लगे, तभी उनके गले पर निशान नजर आए। प्राइवेट पार्ट से ब्लीडिंग हो रही थी। तब जाकर पुलिस को सूचना दी गई।

घटना बेलगढ़ा के एक गांव की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक एक्सपर्ट को मौके पर बुला लिया। शुरुआती जांच में यह तो साफ है कि लूट के बाद हत्या की गई है। रेप की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद होगी।

महिला, पति के साथ रहती थीं। परिवार में तीन बेटियां हैं और सभी की शादी हो चुकी है। रविवार को वे घर पर अकेली थीं। रात 9 बजे आसपास रहने वाले लोगों ने उनके घर का दरवाजा खुला देखा। अंदर जमीन पर महिला पड़ी हुई थीं। लोगों ने महिला के पति को इसकी जानकारी दी।

पति घर आए तो उन्होंने महिला पर चादर डाल दी। बेटियों और रिश्तेदारों को इसकी सूचना दी। अभी तक सभी सामान्य मौत समझ रहे थे।

10 हजार रुपए और जेवर गायब

आज सुबह 8 बजे परिजन महिला को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तब देखा कि उनके गले पर घोंटे जाने के निशान हैं। महिलाएं जब बुजुर्ग के कपड़े बदल रही थीं, तो उनके प्राइवेट पार्ट पर ब्लीडिंग देखी। पुलिस को जांच में पता चला कि महिला सोने का मंगलसूत्र, कानों के फूल और नाक की लौंग पहने हुए थीं। उनका मंगलसूत्र और पेंडल गायब था, जबकि कानों के फूल और लौंग पहने हुए हैं। जांच में पता चला कि लौंग और फूल पीतल के हैं। उनके पर्स में दस हजार रुपए थे, रकम भी गायब है।

खेत पर रहता है पति

महिला के घर से कुछ दूर उनका खेत है। अभी मूंगफली की फसल खड़ी है। देखरेख करने के लिए पति खेत पर थे। सुबह - शाम महिला उन्हें खाना देने जाती थीं।

स्थानीय हो सकता है बदमाश- डीएसपी भितरवार जितेंद्र नगाइच का कहना है-मृतका के साथ क्या-क्या घटना घटी है, इसका पता पीएम के बाद ही चलेगा। घटना को अंजाम देने वाला बदमाश स्थानीय हो सकता है। उस ही इसका पता होगा कि बुजुर्ग घर में अकेली रहती हैं।

10 हजार छात्रों का प्रदर्शन

पुलिस का लाठीचार्ज,भगदड़ जैसे हालात

दो दिन की बजाए परीक्षा एक दिन कराने की मांग

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में लोक सेवा आयोग कार्यालय (पीपीएससी) के सामने प्रदर्शन कर रहे कैंडीडेट्स को पुलिस ने लाठीचार्ज करके खदेड़ दिया। इस दौरान भगदड़ मचने से कई छात्र चोटिल हो गए। करीब 10 हजार छात्र अयोग के कार्यालय से थोड़ी दूर धरने पर बैठ गए हैं। नारे लगा रहे हैं कि बटेंगे नहीं। न्याय मिलने तक हटेंगे नहीं। सोमवार को यूपी पीसीएस और आरओ/एआरओ (रिव्यू और असिस्टेंट रिव्यू अफसर) परीक्षा के हजारों कैंडीडेट्स यूपी, एमपी, बिहार समेत कई राज्यों से आयोग कार्यालय का घेराव करने पहुंचे। प्रदर्शन पहले से ही तय होने के चलते पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था थी। आयोग से करीब 500 मीटर पहले ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी।

मणिपुर में सीआरपीएफ का बड़ा एक्शन, जिरीबाम में मुठभेड़ के दौरान 11 उग्रवादियों को किया ढेर; एक जवान घायल

नईदिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में सीआरपीएफ की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। जानकारी के मुताबिक, सीआरपीएफ ने जिरीबाम में मुठभेड़ के दौरान 11 उग्रवादियों को मार गिराया है। वहीं इस मुठभेड़ में सीआरपीएफ के एक जवान के भी घायल होने की सूचना है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल तक एयरलिफ्ट किया गया है। सीआरपीएफ के सूत्रों के अनुसार, उग्रवादियों ने सीआरपीएफ की टीम पर हमला किया था।

अखिलेश बोले

महाराष्ट्र चुनाव के बाद इनकी कुर्सी जाएगी

मुरादाबाद (एजेंसी)। अखिलेश यादव ने मुरादाबाद में चुनावी रैली की। उन्होंने सीएम योगी पर नाम लिए बिना कहा- सरकार का जो आजकल गुस्सा दिख रहा है वह सरकार बचाने का है।

क्योंकि, दिल्ली वालों ने तय कर लिया है कि महाराष्ट्र चुनाव के बाद इनकी कुर्सी बचेगी नहीं। वह दिल्ली गए और चाहते थे कि अपना कुछ बनवा लें। वो अपना न बनवा पाए। कार्यवाहक (डीजीपी की तरफ इशारा) चल रहा है। दिल्ली वाले इंतजार कर रहे हैं कि कब कुर्सी छीन लें। हम भरोसा दिलाते हैं, उधर महाराष्ट्र में भाजपा हारेगी और यूपी में कुर्सी छिन जाएगी।

खड़गे बोले- 'बंटेंगे तो कटेंगे' बोलना साधु का काम नहीं

ये कोई आतंकी बोल सकता है, कांग्रेस अध्यक्ष का यूपी सीएम योगी पर तंज

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को मोदी के 'एक हैं तो सेफ हैं' और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे, नारे की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये खुद काट रहे, खुद बांट रहे हैं। दोनों पहले तय कर लें कि नारा कौन सा चलेगा।

योगी का नाम लिए बिना झारखंड के छतरपुर (पलामू) की रैली में कहा, वे कहते हैं बटेंगे तो कटेंगे। ये बोलना साधु का काम नहीं है। ये कोई आतंकी बोल सकता है, आप नहीं बोल सकते। कोई नाथ संप्रदाय का साधु ऐसी बात कर ही नहीं सकता। हम डरेंगे तो मरेंगे, हम डरने वाले नहीं है।उन्होंने कहा कि मोदी जी कहते हैं भगवान ने हमको आपकी सेवा के लिए भेजा है। ये कभी नहीं कहते कि हम मां-बाप के पेट से पैदा हुए हैं। इस पर संत तुकाराम बोलते हैं, नवसे कन्या पुत्र होती तो का करणे लागे पती यानी दुहाई मांगने से ही अगर बच्चे पैदा होते हैं तो शादी करने से क्या फायदा है।

श्रीनगर में आतंकी मुठभेड़ में फंसे दो ट्रैकर्स

100 नंबर पर सूचना दी, सेना ने फायरिंग रोककर बचाया; आतंकवादी भागे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सेना और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ के बीच 2 ट्रैकर्स फंस गए। फायरिंग के बीच ट्रैकर्स ने 100 नंबर डायल करके पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद सेना ने गोलीबारी रोककर उन्हें बचाया।

30 दिन के लिए जेल से बाहर आए आसाराम

आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज करवाएगा, 11 साल में दूसरी बार पैरोल मिली

जोधपुर (एजेंसी)। रेप केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम जेल से बाहर आ गया है। जोधपुर हाईकोर्ट ने 7 नवंबर को आसाराम को इलाज के लिए 30 दिन की पैरोल दी थी। वह जोधपुर के भगत की कोठी स्थित निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में अपना इलाज करवाएगा। उसे रविवार रात एम्बुलेंस के जरिए लाया गया और अस्पताल में भर्ती करवाया। इस दौरान आसाराम को देखने के लिए अस्पताल के बाहर उसके समर्थकों की भीड़ जुट गई। हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश दिनेश मेहता और न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने आसाराम के इलाज के लिए अनुमति देने के आवेदन पर आदेश दिए थे। उसे 11 साल में दूसरी बार इलाज के लिए पैरोल मिली है। इससे पहले उसे अगस्त में 7 दिन की पैरोल मिली थी।

सीएम योगी बोले- भाजपा मतलब, विकास, सुरक्षा

बगल में यूपी है, वहां जो बहन-बेटियों को हाथ लगाता है उसका राम नाम सत्य हो जाता है

रांची (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को झारखंड में रैली करते हुए एक बार फिर 'एक रहेंगे, नेक रहेंगे' के नारे को दोहराया। उन्होंने यह बात 5 नवंबर की रैली में भी कही थी। गढ़वा जिले के भवनाथपुर विधानसभा में उन्होंने कहा- एक परिवार दिल्ली बैठता है तो एक परिवार पटना बैठता है। इन्होंने राज्य में लूट मचा रखा है। उन्होंने कहा- हेमंत सरकार ने मुस्लिमों को गुंडागर्दी की छूट दे रखी है। बगल में उत्तर प्रदेश है, जाकर वहां देख लीजिए। अगर कोई बहन-बेटी की इज्जत पर हाथ रखता है तो राम नाम सत्य का हो जाता है।

पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी की मिथुन चक्रवर्ती को धमकी

बोला- बकवास पर माफी मांगो वरना पछताना पड़ेगा; गैंगस्टर लॉरेंस का करीबी है

जालंधर (एजेंसी)। दुबई में बैठे पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने कोलकाता से भाजपा नेता और एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को धमकी दी है। मिथुन चक्रवर्ती के एक सभा में दिए बयान पर शहजाद ने कहा कि मिथुन माफी मांग लें, वरना इस बकवास के लिए पछताना पड़ सकता है। भट्टी, लॉरेंस का करीबी है। उसे पाकिस्तानी डॉन फारुख खोखर का राइट हैंड माना जाता है। भट्टी ने 2 वीडियो जारी किए। पहले वीडियो में वह खुद मिथुन को धमका रहा है।

शिवराज हरियाणा के प्रभारी थे तब 4 सीटें जीते थे

विजयवर्गीय बोले- जब मुझे बनाया गया तो पहली बार हम जीते भी और सरकार भी बनाई

इंदौर (एजेंसी)। जब शिवराज जी हरियाणा के प्रभारी थे। तब हम सिर्फ 4 सीट जीते थे। जब मुझे हरियाणा का प्रभारी बनाया गया। तब 3 हजार इंदौर के कार्यकर्ताओं को ले जाकर पहली बार वहां हम जीते भी और सरकार भी बनाई। ये बात इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 के दीपावली मिलन समारोह कही। उन्होंने राहुल गांधी को लेकर कहा कि कभी-कभार खोटा सिक्का भी चल जाता है, लेकिन बार-बार नहीं चल सकता है। विजयवर्गीय ने मंच से कहा- जब मैं महामंत्री बनकर हरियाणा गया था। उस समय मुझसे पहले हरियाणा के प्रभारी शिवराज जी थे। उस समय हम सिर्फ चार सीट जीते थे। फिर मुझे बुलाया गया। तब अमित भाई अध्यक्ष थे।

मुझे बोला गया आपको हरियाणा देखना है और आप यहां से घर नहीं जाएंगे सीधे रोहतक जाएंगे और दो दिन वहीं रहना है। मैंने कहा ठीक है। इसके बाद शाम को हम प्रधानमंत्री जी से मिलने चले गए। उन्होंने कहा, हरियाणा थोड़ा चैलेंजिंग है। जाकर वहां काम करो, फिर मैंने कहा ठीक है। इसके बाद मैं मध्यप्रदेश के 3 हजार कार्यकर्ताओं को हरियाणा लेकर गया। हरियाणा पहली बार हम जीते तो इसमें इंदौर के कार्यकर्ताओं का बहुत बड़ा योगदान है। हरियाणा जितने पर मैंने सोचा कि, मुझे अब बड़ा पुरस्कार मिलेगा तब मुझे बंगाल का प्रभारी बना दिया गया, तो मैंने वहां हर ब्लॉक में भाजपा को खड़ा किया। कहने का मतलब यह है कि, पार्टी जानती है कि कार्यकर्ता का काम कहां पर और कैसे लेना है।

हरियाणा की जनता ने कांग्रेस के गाल पर तमाचा मारा है

विजयवर्गीय ने आगे कहा कि, हरियाणा की जनता ने कांग्रेस के एक गाल पर तमाचा मारा है। दूसरे पर महाराष्ट्र की जनता तमाचा मारेगी। हरियाणा में सभी सर्वे कांग्रेस की जीत की बात कह रहे थे, लेकिन भाजपा ने वहां शानदार जीत दर्ज की। विकास वहीं होता है, जहां डबल इंजन की सरकार होती है। कांग्रेस शासित राज्यों में कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिल पा रही है। जातीय गणना के सवाल पर उन्होंने कहा कि, कांग्रेस हमेशा धर्म और जाति के आधार पर लोगों को बांटने का काम करती है, जबकि मोदी जी विकास की राजनीति करते हैं।

विजयवर्गीय बोले- राहुल गांधी में वह मैच्योरिटी नहीं आई है

कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया से बात करते हुए यूएस चुनाव हारने पर कमला हैरिस को राहुल गांधी के पत्र लिखने पर कहा कि, जो खोटा सिक्का होता है। वह कभी-कभार चलता लेकिन बार-बार नहीं चल सकता है। दुर्भाग्य है कि राहुल जी में वह मैच्योरिटी नहीं आई है। वह संवैधानिक पद पर बैठे हैं। उनके द्वारा किया कृत्य सार्वजनिक तौर पर दुनिया के संज्ञान में आता है, मैच्योरिटी के अभाव में वे ये करते हैं, मुझे लगता है कि कांग्रेस के लोगों को उन्हें सही राय देना चाहिए।

कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के जातिगत जनगणना के वादे पर विजयवर्गीय ने कहा कि हम जातिगत जनगणना का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन उसके नाम पर समाज को बांट कर जो राजनीति कर रहे हैं। हम उसका विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस समाज को बांटकर राजनीति कर रही है। हम उसका विरोध कर रहे हैं।

धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर बोले- वे संत हैं, उनकी बात का सम्मान करते हैं

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कुंभ में गैर हिन्दू प्रवेश न करने वाले बयान पर विजयवर्गीय ने कहा कि वे संत हैं और हम उनकी बात का सम्मान करते हैं। रामभद्राचार्य के बयान जब तक कृष्ण जन्मभूमि पर फैसला हमारे पक्ष में नहीं आता, तब देश के किसी कृष्ण मंदिर नहीं जाऊंगा। इस पर विजयवर्गीय ने कहा, वे संत हैं, उन्होंने संकल्प लिया है तो जरूर पूरा होगा।

भाजपा का कार्यकर्ता नि :स्वार्थ भाव से काम करता है

कैलाश विजयवर्गीय ने आगे कहा कि, कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 सदस्यता अभियान में देश में अव्वल रहा है। भाजपा का कार्यकर्ता निःस्वार्थ भाव से काम करता है। देश की सेवा करता है। बाकी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता कुर्सी के लिए काम करते हैं, लेकिन भाजपा का कार्यकर्ता देश के लिए काम करता है।

कांग्रेस के जमाने में संघ की शाखा में जाने पर सवाल खड़े होते थे

उन्होंने कहा कि 50 साल पहले कांग्रेस के जमाने में संघ की शाखा में जाने पर भी बड़े सवाल खड़े होते थे और घर आकर लोग शाखा में ना जाने की चेतावनी देते थे। उस समय मेरे पिताजी ने दबाव में आकर मना किया, लेकिन मेरी मां ने शाखा में जाने का समर्थन किया। शाखा में मिले संस्कारों की वजह से मैं आज आपके सामने खड़ा हूं। समाजसेवा और देशभक्ति की सेवा की शिक्षा मुझे आरएसएस से मिली। मैंने पहला चुनाव हारने के लिए ही लड़ा था, लेकिन जीत गया और उसके बाद कभी पीछे पलट कर नहीं देखा।

कल से होगी बेसमेंट के व्यापारिक उपयोग पर कार्रवाई

कलेक्टर की बैठक और स्थानीय अवकाश के चलते दो दिन टली कार्रवाई

इंदौर (एजेंसी)। नगर निगम और जिला प्रशासन की टीम बेसमेंट के व्यापारिक उपयोग के खिलाफ बुधवार को संयुक्त रूप से कार्रवाई करेगी। सोमवार को बैठक होने और मंगलवार को देवउठनी ग्यारस के कारण स्थानीय अवकाश होने से कार्रवाई नहीं होगी। जिला प्रशासन की पहल पर भवन के बेसमेंट में चल रही दुकानें और कार्यालयों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। बेसमेंट का इस्तेमाल मूलतः वाहनों की पार्किंग का स्थान है। इस स्थान का दुरुपयोग करते हुए वहां पर व्यापारिक निर्माण कर बेच दिया गया है। ऐसे में 1100 भवन की सूची बनाकर उन पर कार्रवाई का सिलसिला शुरू किया गया है। नगर निगम और प्रशासन की टीम के द्वारा कार्रवाई के नाम पर बेसमेंट में बनी हुई दुकानों को सील कर दिया जाता है। बाद में जब इस पर पार्किंग बनाने के लिए लिखित में सहमति दी जाती है तो फिर इस सील को खोल दिया जाता है। पिछले दो दिनों से यह कार्रवाई बंद पड़ी हुई है। ऐसे में यह उम्मीद की जा रही थी कि आज सोमवार को यह कार्रवाई होगी।कलेक्टर आशीष सिंह ने सोमवार को समय सीमा के मामलों की समीक्षा के लिए बैठक रखी है। बैठक के कारण आज के दिन को कार्रवाई से मुक्त रखा गया है।

'सबसे नीट अपनी बीट' में होगा सफाई का आकलन

शहर के सफाई मित्रों के बीच प्रतिस्पर्धा, बेहतर कार्य करने वाले होंगे पुरस्कृत

इंदौर (एजेंसी)। शहर के सभी सफाई मित्रों के बीच स्वच्छता प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया है। इसके तहत सबसे नीट अपनी बीट में सफाई कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्र को अधिक बेहतर और साफ-सुथरा रखना होगा। इस प्रतिस्पर्धा में बेहतर कार्य करने वाले सफाई मित्रों को पुरस्कृत किया जाएगा। निगम आयुक्त शिवम वर्मा के अनुसार इस वर्ष होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए अब नगर निगम के द्वारा अपने सफाई मित्रों के बीच में स्वच्छता प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। सबसे नीट अपनी बीट के तहत यह प्रतिस्पर्धा आयोजित की जा रही है। इसमें हर सफाई कर्मी की बीट का अवलोकन कर यह देखा जाएगा कि उनके द्वारा सफाई कितने बेहतर तरीके से समय सीमा के अंदर की गई है।झ इसमें सफाई कर्मी के द्वारा किए गए नवाचार को भी देखा जाएगा। इसमें बेहतर कार्य करने वाले सफाई कर्मियों को नगर निगम के द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

अब ये करना होगा- अधिकारियों के अनुसार अभी देखने में आता है कि सफाई करने के बाद सफाई मित्रों के द्वारा अलग-अलग स्थान पर कचरे के ढेर लगा दिए जाते हैं। अब अभियान में यह नहीं होगा। सफाई कर्मी को सफाई करने के साथ इस कचरे को एकत्र करके वहां से उठाकर अलग बैग में रखना होगा। इस कचरे को भी सफाई के बाद में सेग्रीगेशन करते हुए अलग-अलग तरह के बैग में रखकर जागरूकता का परिचय देना होगा। इसके साथ ही सफाई कर्मी की शत प्रतिशत उपस्थिति, समय पर आने, हमेशा सफाई दिखने, क्षेत्र के लोगों के साथ संवाद करने और यूनिफॉर्म में काम करने के आधार पर आकलन किया जाएगा। हर जोनल कार्यालय के क्षेत्र में एक व्यक्ति को सर्वश्रेष्ठ सफाई मित्र के रूप में चयनित कर पुरस्कृत किया जाएगा।

इंदौर में अगरबत्ती कारखाने में लगी आग

तीन इमली चौराहे के पास टीन शेड की दुकानों में शार्ट-शर्किट के चलते हुई घटना

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के आजाद नगर इलाके के तीन इमली चौराहे के पास सोमवार दोपहर एक अगरबती कारखाने में आग लग गई। कच्चे माल में आग लगने से काफी तेजी से फैल गई। सूचना के बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। फायर कर्मियों के मुताबिक घटना आग टीन शेड की बनी दुकानों में शार्ट-शर्किट के चलते आग लगी है। आग के चलते यहां पर काफी धुआं फैल गया। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड स्टेशन पर सूचना दी। इसके बाद दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग से यहां सेंट, अगरबती बनाने में उपयोग होने वाले रॉ मटेरियल और प्लास्टिक का सामान जल गया। आग लगने की शुरुआत में ही यहां से लोगों को बाहर निकल गए थे।

बाल विवाह रोकने शहर में घूमेंगे उड़नदस्ते

इंदौर (एजेंसी)। शहर में देव उठनी ग्यारस पर बाल विवाह रोकने के लिए दो उड़न दस्ता तैनात रहेंगे। परियोजना स्तर पर एक-एक टीम नजर रखेगी। जिला प्रशासन और महिला बाल विकास ने कलेक्टर कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया है। बाल विवाह को रोकने के लिए हेल्पलाइन नंबर 0731-23060181 भी जारी किया गया है, शिकायत मिलते ही मौके पर उड़नदस्ता पहुंचेंगे। टीम द्वारा समझाइश देकर शादी निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उलंघन पर उनके खिलाफ अधिनियम के तहत केस दर्ज करवाया जाएगा। बता दें पहले उड़नदस्ता में संदेश रघुवंशी, अनिल कुमार लोधा, राज किरण जाट और देवेंद्र पाठक को शामिल किया है। जबकि दूसरे में भगवान दास साहू, रोहित मुजाल्दे, निर्मल वर्मा, महेंद्र पाठक शामिल हैं। बाल विवाह के तहत होने वाली कार्रवाई में माता-पिता के साथ ही शादी कराने वाले पंडित, मौलवी के खिलाफ भी केस दर्ज करवाया जाता है। पूर्व में इस तरह के मामले कई सामने आ चुके हैं। साल 2023-24 में जहां 9 बाल विवाह रोके गए थे वहीं 2024-25 में अब तक 6 बाल विवाह रोके जा चुके हैं।

खजराना गणेश में अब नई पैकिंग में मिलेंगे लड्डू

कलेक्टर और नगर निगम कमिश्नर 15 नवंबर को करेंगे विमोचन

इंदौर (एजेंसी)। खजराना गणेश मंदिर में भक्तों को नए पैकिंग में लड्डू प्रसादी मिलेगी। देव उठनी ग्यारस के बाद नए पैकेट का विमोचन होगा। प्रसादी की दुकान को भी नए सिरे से रेनोवेट किया गया है। पुजारी पंडित अशोक भट्ट ने बताया कि खजराना गणेश मंदिर में भगवान को जो लड्डू प्रसादी का भोग लगाया जाता है, वो लागत रेट में उपलब्ध कराने के लिए मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित दुकान को नए तरीके से रेनोवेट किया गया है।

इंदौर के हलवाई भंवरीलालजी की तरफ से लड्डू प्रसादी की पैकेजिंग के लिए पैकेट निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही गुणवत्ता के लिए सामग्री भी उनकी तरफ से दी जाएगी। सुधार करने के लिए वे हमेशा मंदिर प्रबंध समिति का सहयोग करेंगे। नए पैकेट बन रहे हैं और नई दुकान पर यह लड्डू प्रसादी लागत रेट पर उपलब्ध कराई जाएगी। 15 नवंबर को इसका विमोचन होगा। प्रबंध समिति के अध्यक्ष कलेक्टर आशीष सिंह और नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा उद्घाटन किया जाएगा।

सामान्य दिनों में 50-60 किलो प्रसाद खरीदा जाता है

मंदिर प्रबंध समिति ने बताया कि समिति द्वारा प्रसाद के रूप में बेसन और ड्राइफ्रूट के लड्डू बनाए जाते हैं। इनके पैकेट पर निर्माण तारीख और एक्सपायरी तारीख अंकित होती है। सामान्य दिनों में 50 से 60 किलो प्रसाद भक्तों द्वारा खरीदा जाता है। बुधवार और पर्व के विशेष के दिनों में 70 से 90 किलो तक प्रसाद बिकता है। यह प्रसाद 320 रुपए प्रति किलो बेचा जाता है।

प्रसाद में क्या-क्या वस्तु, ये भी पता चलेगा- पुजारी पंडित अशोक भट्ट ने बताया कि प्रसाद के नए पैकेट तैयार किए जा रहे हैं। प्रत्येक पैकेट पर प्रसाद में कौन-कौन-से पदार्थ कितनी मात्रा में हैं, इसकी जानकारी होगी। ग्रीन सर्कल के साथ ही निर्माण और एक्सपायरी डेट भी होगी।

इंदौर में 3 लोगों से 15 लाख की लूट

बिजनेसमैन और उसके भतीजे के साथ वारदात; पड़ोसी देखने आया तो बदमाशों ने उसे भी लूटा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के तुकोगंज इलाके में सोमवार एक बिजनेसमैन और उनके भतीजे के साथ लूट की वारदात हुई है। बताया गया है कि पारिवारिक कार्यक्रम के चलते वे बिल्डिंग के बाहर गाड़ियां निकलवा रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद सड़क पर गिरी बदमाशों की बाइक, संभलकर फिर फरार हो गए। तुकोगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना रेसकोर्स रोड की है। वारदात सोमवार सुबह कमलेश अग्रवाल और उनके रिश्तेदार दिशांत अग्रवाल व सामने रहने वाले पिकेश शाह के साथ हुई है। रिश्तेदार राहुल ने बताया कि कमलेश बिल्डरशिप का काम करते है। उनके फैमिली में सोमवार शाम को फंग्शन था। इस दौरान वह बिल्डिंग से बाहर गाडियां निकलवा रहे थे। करीब सुबह साढ़े सात से आठ के बीच में दो बदमाश यहां पहुंचे। उन्होंने चाकू की नोक पर उनकी चेन और हाथ के ब्रेसलेट उतरवाया ओर फरार हो गए। सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची है, मामले की जांच की जा रही है।

15 लाख से ज्यादा की लूट- टीआई जितेंद्र यादव के मुताबिक आरोपियों ने 3 सोने की चेन, 3 अंगूठी और 2 ब्रेसलेट लूटे है, उनकी अनुमानित कीमत करीब 15 लाख से ज्यादा है। अभी पीड़ितों के बयान लिये जा रहे है। मामले में सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे है, जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी करेंगे।

बार ऑनर पर पत्नी ने कराई मारपीट की एफआईआर

महिला का आरोप- कहता है नशा खरीदना है, मायके से पैसे लेकर आओ

इंदौर (एजेंसी)। द्वारकापुरी थाने के पास बने एक बार के ऑनर के खिलाफ उसकी पत्नी ने केस दर्ज कराया है। पत्नी का आरोप है कि आरोपी पति नशा खरीदने के लिए मायके से रुपए लाने की डिमांड करता है। द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक, प्रिया जयसवाल दरियानी की शिकायत पर विनोद उर्फ विशाल दरियानी के खिलाफ मारपीट कर प्रताड़ित करने का केस दर्ज किया गया है। प्रिया ने बताया कि 2010 में उसका विवाह विनोद से आर्य समाज मंदिर में हुआ। शादी के 5 महीने बाद ही पति ने पिता के घर से रुपए लाने के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया। इनकार करने पर मारपीट करता।

कहता- अपने मां-पिता से पैसे लेकर आओ

अक्टूबर 2020 में विनोद ने शराब खरीदकर बेचने के लिए रुपए की मांग की। बोला कि अपने माता - पिता से पैसे लेकर आओ। मुझे शराब और अन्य नशा खरीदना है। उसने मारपीट की। बेटी को भी जान से मारने की बात करता है। पहले बच्ची के कारण कुछ नहीं कहा, लेकिन उसकी हरकतें बढ़ती गईं।

इंदौर में बिजली कंपनी ने लगाए 3.64 लाख स्मार्ट मीटर

प्रदेश में अब तक 8 लाख 15 हजार मीटर लगे, इसमें सबसे ज्यादा इंदौर में

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ने सवा आठ लाख स्मार्ट मीटर लगा दिए हैं। इनमें अकेले इंदौर में 3.64 लाख स्मार्ट मीटर लगे हैं। वर्तमान में इंदौर, उज्जैन रतलाम जैसे बड़े शहरों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से किया जा रहा है। कंपनी की प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया कि स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को नई सुविधाएं मिल रही है। एक ओर जहां मानव रहित स्पष्ट रीडिंग ऑटोमेटेड आ रही है, वहीं बिलिंग संबंधी त्रुटियां भी खत्म हो गई है। रजनी सिंह ने बताया कि यह स्मार्ट मीटर कंपनी के ऊर्जा एप पर लाइव डाटा भी दिखाते हैं। इससे उपभोक्ता संतुष्टि में बढ़ोत्तरी हो रही हैं। पश्चिम क्षेत्र कंपनी में लगे आठ लाख पंद्रह हजार मीटरों में सबसे ज्यादा 3.64 लाख मीटर इंदौर शहर में स्थापित हो चुके हैं। उज्जैन शहर में 81 हजार, रतलाम शहर में 77 हजार, देवास शहर में 47 हजार, खरगोन शहर में 44 हजार, नीमच शहर में 23 हजार, मंदसौर शहर में 18 हजार, महू शहर में 15050 स्मार्ट मीटर लगे हैं। इसके अलावा अन्य जिला मुख्यालय झाबुआ, बड़वानी, आगर, शाजापुर आदि भी प्राथमिकता से अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर निःशुल्क रूप से लगाए जा रहे हैं।

इधर, एक दिन में 11.37 करोड़ यूनिट बिजली वितरण

मालवा-निमाड़ क्षेत्र में इस वित्तीय वर्ष के दौरान शनिवार 9 नवंबर को सर्वाधिक बिजली मांग दर्ज की गई है। इस दिन 6285 मेगावाट अधिकतम बिजली मांग रही है। इस दिन मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 11 करोड़ 37 लाख यूनिट बिजली का वितरण किया। यह पिछले 10 माह का रिकॉर्ड बिजली वितरण है। शनिवार को सबसे ज्यादा इंदौर जिले में 1 करोड़ 90 लाख यूनिट बिजली वितरित की गई। धार जिले में 1.80 करोड़ यूनिट, उज्जैन जिले में 1.31 करोड़ यूनिट, देवास जिले में 1.07 करोड़ यूनिट बिजली वितरण हुआ। रतलाम जिले में 84 लाख यूनिट, खरगोन जिले में 78 लाख यूनिट, मंदसौर 68 लाख यूनिट, शाजापुर जिले में 60 लाख यूनिट बिजली पिछले एक दिन में वितरित की गई है। अन्य जिलों में 25 लाख यूनिट से 51 लाख यूनिट बिजली वितरण हुआ।

इंदौर में बीजेपी-संगठन चुनाव का पहला चरण कल से

14 से 20 नवंबर के बीच हो जाएगा सभी बूथ समितियों का गठन

इंदौर (एजेंसी)। भाजपा संगठन चुनाव को लेकर बैठकों का दौर जारी है। 14 नवंबर से 20 नवंबर तक पूरे प्रदेश में बूथ समितियों का गठन हो जाएगा। इसके बाद 21 नवंबर को राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशाला होगी। इसके बाद प्रदेश, जिला और मंडल स्तर की कार्यशालाएं आयोजित होंगी। इंदौर शहर में 28 मंडल तो ग्रामीण क्षेत्र में 15 मंडल हैं। इसी तरह शहर में 1666 और ग्रामीण क्षेत्र में 851 बूथ हैं। जिन पर निर्वाचन की प्रकिया पूरी होना है। भाजपा जिलाध्यक्ष चिंटू वर्मा ने बताया कि बूथ समितियों के गठन में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि इनके 11 सदस्यों में से कम से कम तीन महिलाएं हों। इसका उद्देश्य महिलाओं का सामाजिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है। बूथ समिति में अध्यक्ष के अलावा एक सदस्य को सचिव, एक को लाभार्थी प्रभारी, एक को वॉट्सऐप प्रमुख और एक सदस्य को मन की बात प्रमुख के रूप में मनोनीत किया जाएगा। इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि बूथ समिति सदस्य पन्ना प्रमुख भी हो। इसके पहले शक्ति केंद्र संगठन पर्व सहयोगी सभी बूथों पर जाएंगे और बूथ समिति की बैठक बुलाएंगे। वर्मा ने बताया कि हमारा प्रयास है कि निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया निर्विरोध संपन्न करवाई जाए। बूथ समिति संगठन की सबसे मजबूत कड़ी है।

बुधवार से शुरू हो रहा पहला चरण- भाजपा के संगठन चुनाव का पहला चरण बुधवार से शुरू होने जा रहा है। इसको लेकर मंडलों में कार्यशालाएं हो गई हैं। शक्ति केंद्र प्रभारी की मौजूदगी में चुनाव होंगे। बताया जा रहा है कि पार्टी का मूड इस बार सामाजिक समीकरण को साधते हुए अपनी बूथ की टोली तैयार करना है। भाजपा का शक्ति केंद्र बूथ के ऊपर एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में काम करता है। एक शक्ति केंद्र में 4 से 5 बूथ होते हैं। संगठन के चुनाव कार्यक्रम के अनुसार सबसे पहले बूथ अध्यक्ष का चुनाव कर बूथ की समिति, यानी टोली बनाना है।

बूथ पर जिस समाज का वर्चस्व है, वहां उसे प्राथमिकता दी जा सकती है- इंदौर शहर में 1666 तो ग्रामीण क्षेत्र में 851 बूथ हैं। बुधवार से शुरू होने वाली चुनाव प्रक्रिया में अधिकांश बूथ अध्यक्षों की जगह नए बूथ अध्यक्ष का चुनाव करवाने का विचार है। लंबे समय से काम कर रहे अध्यक्षों के स्थान पर सामाजिक समीकरण को लेकर भी अध्यक्ष बनाने के प्रयास किए जाएंगे। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि जिस बूथ पर जिस समाज का वर्चस्व है, वहां उसे प्राथमिकता दी जा सकती है।

संपादकीय

चंद्रचूड़ : एक रॉकस्टार सीजेआई

देश के सेवानिवृत्त चीफ जस्टिस डी.वाय.चंद्रचूड़ उन बिरले न्यायविदों में से हैं, जिन्हें सेवा के दौरान और रिटायर होने के बाद भी मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए याद किया जाएगा। कुछ लोगों ने तो उन्हें 'रॉक स्टार' की संज्ञा भी दी है। अपने दो वर्षों के कार्यकाल में जस्टिस चंद्रचूड़ ने अपनी टिप्पणियों के साथ तमाम फैसलों से भी अपनी छाप छोड़ी। उनके कुछ फैसले सरकार को खुश करने वाले थे तो कुछ नाखुश करने वाले भी थे। बतौर सीजेआई मीडिया को दिए अपने आखिरी इंटरव्यू में जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि मैं व्यवस्था को पहले से बेहतर करके जा रहा हूं। उन्होंने दिव्यांग अधिकारों, सूचना के अधिकार, आर्थिक संघवाद और लिंग तथा जातिगत भेदभाव के संदर्भ में समान अवसर के सिद्धांत पर दिए गए अपने फैसलों का जिक्र किया। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ नफरत फैलाने वाले भाषणों का असर कई गुना बढ़ गया है तो ये लोगों के मन और भावनाओं पर गहरा असर डालते हैं। इसके पहले उन्होंने एक बयान में यह भी कहा कि जजों को सरकार के साथ साथ निजी क्षेत्र के दबाव का भी सामना करना पड़ता है। वैसे जस्टिस चंद्रचूड़ के खाते में कई रिकॉर्ड दर्ज हैं। उन्होंने कई ऐसे अहम फैसले दिए, जिसके कारण उन्हें कई बार सोशल मीडिया में ट्रोल भी किया गया। बतौर जज उन्होंने 612 फैसले लिखे, जिसमें अयोध्या में राम जन्म भूमि विवाद का हिंदू पक्ष के हक में फैसला देना, कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने के मोदी सरकार के फैसले को सही ठहराने के साथ मोदी सरकार की इलेक्टोरल बांड योजना को रद्द करना, दिल्ली प्रदेश में उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार में से उपराज्यपाल को ज्यादा पावरफुल करार देना, अलीगढ़ मुस्लिम लीग के अल्पसंख्यक स्वरूप को सैद्धांतिक रूप से सही ठहराना, समलैंगिक शादियों को गलत गलत ठहराने, यूपी में मदरसों को संवैधानिक रूप से सही मानना प्रमुख हैं। इसके अलावा वो गणेश चतुर्थी पर प्रधानमंत्री मोदी को अपने यहां आमंत्रित करने तथा अयोध्या प्रकरण पर सुनवाई के दौरान ईश्वर को याद करने जैसे कमेंट के लिए आलोचकों के निशाने पर रहे। खास बात यह है कि बीते दशक में हाल में सबसे ज्यादा समय तक सीजेआई रहने वाले कानूनविद हैं। उनके पिता यशवंत चंद्रचूड़ भी देश के सबसे लंबे समय तक सीजेआई रहे थे। सरकार ने उनके कुछ फैसलों से राहत महसूस की तो कई लोगों को उनसे उम्मीद थी कि वो सर्वोच्च न्यायालय के कामकाज का तरीका बदलेंगे, आम नागरिकों के लिए इंसाफ हासिल करना आसान बनाएंगे और 'बहुसंख्यकवादी सरकार' पर संवैधानिक नियंत्रण रखेंगे। कुछ ऐसे फैसले उन्होंने दिए भी। यही नहीं, उन्होंने अपने कई फैसलों का सार्वजनिक रूप से बचाव भी किया, जोकि अब तक की परंपरा के अनुरूप नहीं था। सीजेआई बनते समय उन्होंने कहा था कि वो अदालतों को और पारदर्शी बनाना चाहते हैं। लेकिन जब अहम मुकदमों की लिस्टिंग का सवाल आया, तो उनकी ये बात व्यावहारिक तौर पर पूरी तरह लागू होती नहीं दिखी। अलबत्ता अपने कार्यकाल में उन्होंने संविधान पीठ से जुड़े 33 मामलों का निपटारा किया। ये वो मामले हैं, जो क़ानून के व्यापक प्रश्नों से जुड़े थे, और उनके लिए पांच या फिर उससे भी ज्यादा जजों की बेंच की ज़रूरत थी। इसी तरह न्यायिक नियुक्तियां तेजी से करने में उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली। कुल मिलाकर सरकार के साथ उनके रिश्ते सकारात्मक ही रहे। रिटायरमेंट के बाद जस्टिस चंद्रचूड़ क्या करेंगे, इस पर सभी की निगाहें रहेंगी। हालांकि किसी भी सरकारी पद को स्वीकार करने के पहले 'कूलिंग पीरियड' की वकालत खुद चंद्रचड ने की थी। वो खुद इसका पालन करेंगे या नहीं, यह देखने की बात है।

अमीर देशों की उदासीनता दूर कर पाएगा सम्मेलन

नजरिया

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संयुक्त राष्ट्र का दो सप्ताह का जलवायु सम्मेलन कॉप-29 सोमवार से अजरबैजान की राजधानी बाकू में शुरू हो गया है। पर्यावरण से जुड़े इस महाकुंभ में भारत समेत लगभग 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। इसमें जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों के लिए जलवायु वित्त का नया लक्ष्य तय करने, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान की वृद्धि को सीमित करने और विकासशील देशों के लिए समर्थन जुटाने पर सार्थक एवं परिणामकारी भी चर्चाएं होने की संभावनाएं हैं। साथ ही इसमें पेरिस समझौते के लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाने पर समूची दुनिया के देश चर्चा करेंगे। सम्मेलन में भारत की प्रमुख प्राथमिकताएं जलवायु वित्त पर विकसित देशों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और ऊर्जा स्त्रोतों के समतापूर्ण परिवर्तन का लक्ष्य प्राप्त करना होंगी। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआइ) के विशेषज्ञ इस वर्ष के शिखर सम्मेलन से चार प्रमुख परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं- नया जलवायु वित्त लक्ष्य, मजबूत राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं के प्रति तेजी, पिछले वादों पर ठोस प्रगति और नुकसान व क्षति के लिए अधिक धनराशि। विश्व में तापमान बढ़ोत्तरी, 'अल नीनो' व 'ला नीना' के प्रभावों के चलते मौसम की घटनाओं से पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है। इस बीच एक नए अध्ययन में पूर्वी यूरोप के 10 ऐसे देशों की पहचान की गई है, जो भविष्य में तापमान वृद्धि से सबसे अधिक आर्थिक नुकसान का सामना करेंगे। ऐसे में पूरी दुनिया की निगाहें जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में होने वाली चर्चाओं, फैसलों और नतीजों पर टिकी हैं।

कॉप-29 सम्मेलन को पर्यावरण समस्याओं, चुनौतियों एवं बदलते मौसम के मिजाज को संतुलित करने के लिये महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन से दुनिया ने उम्मीदें लगा रखी है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने की राह में विकासशील देशों के सामने सबसे प्रमुख अवरोध वित्तीय संसाधनों का अभाव है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बावजूद विकसित देशों का योगदान आवश्यक स्तर से कम है। वर्ष 2022 में विकसित देशों ने 115.9 अरब डालर उपलब्ध कराए और पहली बार 100 अरब डालर के वार्षिक लक्ष्य का आंकड़ा पार हुआ। हालांकि यह अभी भी कम है, क्योंकि अगर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से जुड़े लक्ष्य हासिल करने हैं तो 2030 तक हर साल दो ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर राशि की आवश्यकता होगी। कर्ज का अंबार विकासशील देशों की राह में एक और बाधा बना हुआ है। तमाम विकासशील देश कर्ज के बोझ से ऐसे कराह रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए उनके पास संसाधन बहुत सीमित हो जाते हैं। इसीलिये जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाह रवैया एक बार फिर बाकू सम्मेलन कॉप-29 में चर्चा का विषय बन रहा है।

दुनिया में जलवायु परिवर्तन की समस्या जितनी गंभीर होती जा रही है, इससे निपटने के गंभीर प्रयासों का उतना ही अभाव महसूस हो रहा है। मिस्र में हुए कॉप 27 में नुकसान एवं क्षतिपूर्ति कोष की पहल हुई थी, लेकिन उसमें पर्याप्त योगदान न होने से उसकी उपयोगिता सीमित बनी हुई है। ऐसे में यह उचित ही होगा कि विकासशील देश उस नुकसान एवं क्षतिपूर्ति मुआवजे पर भी जोर दें, जिसकी चर्चा तो बहुत हुई थी, लेकिन उस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए। विकसित देशों की जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याओं पर उदासीनता इसलिये भी सामने आ रही है कि विकसित देश कार्बन उत्सर्जन में अपने पुराने और भारी योगदान को अनदेखा करते हुए विकासशील देशों पर जल्द से जल्द उत्सर्जन कम करने के लिए ऐसा दबाव डालते हैं कि वे उनकी गति से ताल मिलाएं। इस प्रकार विकासशील देशों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं का संज्ञान लिए बिना ही अमीर देशों द्वारा लक्ष्य तय किया जाना भी असंतोष का एक कारण बन रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जलवायु परिवर्तन से उपजी प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं ने उन देशों एवं समुदायों को बहुत ज्यादा क्षति पहुंचाई है, जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए अपेक्षाकृत कम जिम्मेदार हैं।

देखा जाए तो आज जीवन के हर पहलू पर जलवायु में आते बदलावों का असर साफ तौर पर नजर आने लगा है। लोगों का स्वास्थ्य भी इससे सुरक्षित नहीं है। बात चाहे आपदाओं के कारण जा रही जानों की हो या इसकी वजह से तेजी से पनपती बीमारियों की, जलवायु परिवर्तन रूप बदल-बदल कर लोगों के स्वास्थ्य पर आघात कर रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य पर मंडराते इस खतरे को कहीं ज्यादा संजीदगी से लेने की जरूरत है। बढ़ती गर्मी के प्रति चेतावनी, जीवाश्म ईंधन की सही कीमत का निर्धारण और घरों में ऊर्जा के साफ सुथरे साधनों का उपयोग सालाना 20 लाख लोगों की जान बचा सकता है। ऐसे में इस शिखर सम्मेलन से ठीक पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी देशों से जीवाश्म ईंधन से अपना नाता तोड़ने का आग्रह किया है। साथ ही सरकारों से आम लोगों को जलवायु में आते बदलावों का सामना करने के काबिल बनाने में मदद करने की वकालत की है।

कॉप-29 से ठीक पहले जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर जारी अपनी विशेष रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैश्विक नेताओं से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य को अलग-अलग मुद्दों के रूप में देखना बंद करने का आग्रह किया है। ताकि न केवल लोगों के जीवन को बचाया जा सके, साथ ही मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 100 से भी ज्यादा संगठनों और 300 विशेषज्ञों के सहयोग से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को संबोधित करते हुए कॉप-29 पर यह विशेष रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में तीन प्रमुख क्षेत्रों लोग, क्षेत्र और ग्रह से जुड़ी महत्वपूर्ण नीतियों पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में 360 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं, जो जलवायु में आते बदलावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। यह वो क्षेत्र हैं जहां खतरा बहुत ज्यादा है। लोगों के जीवन की रक्षा करने के लिए ऐसी स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करना जरूरी है जो जलवायु में आते बदलावों का सामना कर सकें और मुश्किल समय में भी लोगों के प्राणों की रक्षा कर सकें। स्वास्थ्य और जलवायु नीतियों का मेल मानव प्रगति एवं आदर्श विश्व संरचना के लिए बेहद जरूरी है।

वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सर्तक होगी तो इक्कीसवीं सदी को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा। भारत के साथ पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित 11 ऐसे देश हैं जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से चिंताजनक श्रेणी में हैं। ये ऐसे देश हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आने वाली पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता के लिहाज से खासे कमजोर हैं। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, असंतुलित पर्यावरण, जलवायु संकट एवं बढ़ते कार्बन उत्सर्जन जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर धरती की हालत 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' वाली है। इसीलिए कॉप-29 लगातार जलवायु अराजकता की ओर बढ़ रही पृथ्वी को बचाने का माध्यम बनना बहुत जरूरी है। विकासशील देशों को इसके लिए अपनी आवाज बुलंद करनी होगी, क्योंकि यह न केवल न्याय के दृष्टिकोण से, अपितु मानव अस्तित्व एवं सृष्टि संतुलन के लिहाज से भी बेहद अहम है।

सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही असमंजस में

भारतीय लोकतंत्र

अनिल त्रिवेदी
लेखक अभिभाषक और स्वतंत्र लेखक हैं।

लोकतंत्र एक पक्षीय या एक दलीय नहीं हो सकता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की सामान्य न्यूनतम निरंतर उपस्थिति से ही सामान्य रूप से लोकतंत्र सहजता से चल सकता है। भारतीय लोकतंत्र बहुदलीय होकर अपने जन्म के पचहत्तर वर्ष पूरे कर चुका है। इतना समय बीत जाने पर भी भारतीय लोकतंत्र में सहज सत्ता पक्ष और सहज विपक्ष का उदय या विकास न हो पाना एक ऐसा सवाल है जिसकी केवल व्यापक चर्चा ही नहीं वरन सहज लोकतंत्र की दिशा में कदम बढ़ाना भी जरूरी है। साथ ही साथ वास्तविक लोकतंत्रात्मक राजनैतिक व्यवहार भारतीय समाज में खड़ा करने की दृष्टि से नीचे से लेकर ऊपर तक खुला संवाद भी करते रहना बेहद जरूरी है। लोकतंत्र आपसी संवाद, सद्भाव और समझ के बिना जीवन्त लोकतंत्र नहीं बन सकता। वैसे भारतीय लोकतंत्र लोक संख्या के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। देश की आजादी के बाद से बनने वाली सभी सरकारें वयस्क मताधिकार के आधार पर ही चुनी गई है । यह बात बहुदलीय भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का एक अनोखा उदाहरण हैं। पर देश की विधि,विधान,संविधान में राजनैतिक दल बनाने की जो प्रक्रिया निर्धारित है उसके अनुसार ही भारत में मौजूद सैकड़ों राजनैतिक दल पंजीकृत तो हो गये पर राजनैतिक दल देश व्यापी सोच,समझ और विस्तार वाले आज़ तक नहीं बन पाये, कहां और क्या कमी रह गई? यह खुली बातचीत से हम समझ सकते हैं। भारतीय लोकतंत्र में विकसित हुए सभी राजनैतिक दल कानून और कागज़ पर तो लोकतांत्रिक तरीके से पंजीकृत हैं पर मन वचन और कर्म से लोकतंत्र की आत्मा से एकाकार हो अपने दैनंदिन कार्यकलापों को करते हुए नहीं महसूस होते है। भारतीय राजनीति का बाहरी ढांचा भले ही लोकतांत्रिक व्यवस्था वाला दिखाई देता हो पर अंदरूनी व्यवहार में स्थित एकदम उलट है।भारत के नागरिकों में आपस में जो सोच समझ और एक दूसरे के प्रति व्यवहार का तौर तरीका है उसका भारतीय लोकतंत्र की राजनीति और विशेषकर चुनावी राजनीति पर गहरा असर दिखाई देता है। भारतीय राजनीति और भारतीय समाज या भारतीय जनता और भारतीय नेतृत्वकर्ता पचहत्तर सालों के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्कारों को प्राणप्रण से अपना ही नहीं पाये हैं। पर इस सब के बाद भी भारत के राजनैतिक दल और मतदाता दोनों ही को चुनाव का असाधारण चस्का लग गया है। यही बात भारतीय लोकतंत्र की विशेषता और कमजोरी दोनों बन गई है जिसे बदले बिना हम भारतीय लोगों के लोकतांत्रिक सपनों को यथार्थ यानी स्वराज में नहीं बदल सकते।

यह बात भारतीय लोकतंत्र या आज के भारत की एक तरह से जीती-जागती सच्चाई है। इसके साथ ही यह भी खुली सच्चाई है कि आज तक का भारतीय लोकतंत्र का सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी अपनी सुविधा के लोकतंत्र में, बुनियादी या सचेत लोकतंत्र की अपेक्षा ज्यादा भरोसा करता दिखाई देता है। आजादी के बाद से भारत में कई राजनैतिक दल अकेले या समूह में गठबंधन बना कर सत्ता पक्ष और विपक्ष की भूमिका में काम करने

का अवसर पाते रहे हैं पर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी सत्ता पक्ष और विपक्ष की भूमिका के साथ वैसा न्याय नहीं किया जैसा भारत जैसे प्राचीन वैचारिक पृष्ठभूमि वाले देश में होना चाहिए। इसी कारण भारत में लोकतंत्र की लंबी परम्परा के बाद भी लोकतांत्रिक मूल्यों का उदय उस तरह नहीं हो पाया जिसकी कल्पना हमारे स्वाधीनता आंदोलन के लिए अपना सबकुछ लुटा देने वालों स्वतंत्रता संग्रामके योद्धाओं के मनों में स्वराज के रूप में समायी हुई थी और जो स्वतंत्र लोकतांत्रिक देश की जनता के मन का सबसे बड़ा सपना थी। स्वतंत्रता और स्वराज की संकल्पना में आज भी अधूरापन महसूस होता है। लोकतंत्र लोगों का लोगों पर लोगों का शासन की पद्धति है। लोकतंत्र में सभी विचारों और सभी समूहों को अवसर दिये बिना हम भारतीय लोकतंत्र को सहजता से नहीं चला सकते। भारत में आज हम सबको मिलकर ही लोकतांत्रिक तरीके से देश और व्यवस्था को चलाने में सबको अवसर और मौका दिये बिना इतनी बड़ी संख्या वाली आबादी को राजनैतिक प्रक्रियाओं में शामिल ही नहीं कर सकते हैं। एक विचार या व्यक्ति या दल ही राजनैतिक कार्यक्रमों को संचालित करता रहे और बाकी लोग चाहे वे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष या निर्दलीय आपस में खुल कर शायद ही कभी बातचीत भी करते हो,यह किसी भी तरह सहज लोकतंत्र की मूल तासीर नहीं है।

अमेरिकी लोकतंत्र की तरह सर्वोच्च राजनैतिक पदों पर केवल दो कार्यकाल के प्रावधान को विस्तारित करते हुए भारतीय लोकतंत्र में इतनी बड़ी जनसंख्या या विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देश होने से एक निर्णायक भूमिका पर खुली चर्चा कर या विचार विमर्श कर यह निर्णय लेना चाहिए कि किसीभी नागरिक को किसी भी संवैधानिक निर्वाचित पद पर लगातार दो बार से अधिक निर्वाचित होने का अवसर नहीं प्रदान किया जाना चाहिए। यानी दो बार विधायक और दो बार लोकसभा, दो बार राज्यसभा । इस तरह अधिकतम कुल बत्तीस सालों तक कोई भी नागरिक निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में कार्यरत रह कर अपने विधायक या संसदीय जीवन का सबसे जीवन्त और ऊर्जावान योगदान देश और समाज को देकर विधायी और संसदीय कार्य कलापों को समयबद्ध तरीके से सम्पन्न करने की चुनौती जनप्रतिनिधि और नागरिकों के मन में पैदा की जा सकती है।

यही सिद्धांत सभी राजनैतिक दलों की दैनंदिन कार्यप्रणाली में भी लागू होना चाहिए कि एक ही व्यक्ति दल के लिए हाईकमान के नाम पर आजीवन बने रहकर काम नहीं कर सके, लगातार दो समयावधि के बाद व्यक्ति या पद परिवर्तन होना चाहिए। यदि भारतीय लोकतंत्र को हम लोकव्यापी और व्यापक समझ और विस्तार वाले लोकतंत्र के रूप में विकसित करना चाहते हैं तो हमें व्यक्ति केन्द्रित राजनैतिक कार्यप्रणाली के बजाय कार्यकर्ताओं और आम जनता की व्यापक सहभागिता, सुनिश्चित करना होगी। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी अपनी कार्यप्रणाली को और अधिक लोकतांत्रिक और लोकसमर्थक राजनैतिक कार्यप्रणाली के तरीके खड़े करने या खोजने की दिशा में आगे कदम बढ़ाने होंगे तभी हम केवल अपने अपने सपनों नहीं सबके सपनों को साकार करना लोकतंत्र का मूल स्वभाव बनाकर भारतीय लोकतंत्र को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूत आधार और दिशा निर्देश देकर सामान्य मनःस्थिति वाले सत्ता-पक्ष और विपक्षी दल वाले अपने-अपने सतारूढ़ और विपक्षी दलों की भूमिका में आये असमंजस को त्याग कर सामान्य मनःस्थिति के सहज लोकतंत्र की दिशा में कदम रख सकते हैं।

प्रियंका की दमदार एंट्री को बेताब वायनाड

राजनीति

गौरव अवस्थी
लेखक स्तंभकार हैं।

मैं इस समय केरल के वायनाड में हूं। वही वायनाड जहां लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा इस्तीफा दिए जाने के बाद उपचुनाव हो रहा है। वायनाड का उपचुनाव इसलिए चर्चा में है कि कांग्रेस ने गांधी परिवार की दूसरी सशक्त वारिस प्रियंका गांधी को पहली बार अपना उम्मीदवार बनाया है। रायबरेली-अमेठी के बाद देश में वायनाड इकलौता लोकसभा क्षेत्र बन गया है, जहां गांधी परिवार का दूसरा सदस्य चुनाव मैदान में है। प्रियंका गांधी को प्रत्याशी बनाए जाने से वायनाड लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव को लेकर मीडिया में भले ही खूब शोर हो पर यहां चुनाव बिना शोरगुल का है। सौ किलोमीटर से अधिक लंबे और तीन जिलों (वायनाड, कोझिकोड और मल्लपापुरम) के सात विधानसभा क्षेत्रों (कलपेट्टा, सुलतान बथेरी, मननथवाड़ी, थिरूवमबडी, इरानाड, नीलाम्बुर, वनडुर) में फैले इस लोकसभा क्षेत्र में दिन में बमुश्किल एक दो चुनाव प्रचार वाहन दिख जाएं तो बड़ी बात है। यहां सड़कों पर जुलूस दिखते हैं न नारे सुनाई पड़ते हैं। चुनावी सभाएं भी सिस्टमैटिक और संयमित।

वायनाड में चुनावी कैम्पेनिंग दोपहर बाद शुरू होने की परंपरा है। इसका सीधा सम्बन्ध आप कार्य संस्कृति से भी जोड़ सकते हैं। इसके पीछे की वज़ह रोजमर्रा के काम पहले प्रचार बाद में। हाँ, चाय बागान में काम करने वाले श्रमिकों से संपर्क के वास्ते पार्टी प्रचारक जरूर सुबह- सुबह पहुंच जाते हैं। पिछले दिनों सुलतान बथेरी विधानसभा क्षेत्र के दो गांवों-कुंबलेरी और अंपालावायल में कांग्रेस की चुनावी मीटिंग देखने का मौका मिला। इन मीटिंग को यहां फॅमिली मीटिंग कहा जाता है और य़ह गांव के सार्वजानिक स्थान के बजाये किसी के घर पर होती हैं। चाय-पानी का जिम्मा भी गृह स्वामी का। मीटिंग में न कोई मांग न कोई वायदे का दबाव।

शहरों और गांव-कस्बों में छोटी-बड़ी होर्डिंग्स जरूर दिखेंगी लेकिन चुनाव आयोग के नियमानुसार। सरकारी तो छोड़िए निजी भवनों पर भी चुनाव प्रचार की वॉल राइटिंग नजर नहीं आती। झंडे-बिल्ले भी यदा-कदा स्थानों पर। हर जगह वह भी नहीं। प्राकृतिक जीवन जैसी शांति यहां चुनाव के दौरान भी है। दो दिन के प्रवास में हमें कांग्रेस और बीजेपी के चार- पांच प्रचार वाहन ही नजर आए। इन प्रचार वाहनों पर लगे लाउडस्पीकर की आवाज भी कानफोड़ नहीं थी। सत्तासीन पार्टी सीपीआई की भी सारी गतिविधियां नियम-कायदों के अंदर ही। सभाओ-जुलूसो की वजह से यातायात प्रभावित नहीं होता। बाजार की चहल-पहल भी बरकरार। सामान्य दिनों की तरह जीवन शांत और गतिशील रहता है।

वर्ष 2009 में अस्तित्व में आए इस लोकसभा क्षेत्र में चार बार हुए चुनाव में कांग्रेस ही जीतती आ रही है। दो बार राहुल गांधी और दो बार एमआई शनावास चुने जा चुके हैं। उपचुनाव में यहां प्रियंका गांधी के अलावा बीजेपी ने पार्षद नव्या हरिदास और सीपीआई ने सत्यन मोक्केरी को मैदान में उतारा जरूर है पर हवा कांग्रेस के ही पक्ष में नजर आ रही है। वायनाड के लोग प्रियंका गांधी की पालिटिक्स में दमदार एंट्री को जैसे बेताब हैं।

ऑटो ड्राइवर नासिर कहते हैं कि प्रियंका को राहुल गांधी से ज्यादा वोट मिलेंगे। वह तो प्रतिशत भी घोषित कर देते हैं-70 प्रतिशत। राहुल गांधी को 2019 के पहले चुनाव में 64 प्रतिशत और 2024 के हालिया चुनाव में 59 प्रतिशत वोट मिले थे। फल की दुकान लगाए वहीद कहते हैं कि प्रियंका को महिलाएं और युवतियाँ बहुत पसंद कर रहे हैं। फिर वह दादी इंदिरा गांधी की तरह मजबूत दिखती भी हैं और होंगी भी। एक महिला सरकारी कर्मचारी कहती हैं-'यहां मेडिकल कॉलेज नहीं है। नया हाईवे भी चाहते हैं क्योंकि रात में मैसूर का राजमार्ग बंद कर दिया जाता है। य़ह बड़ी और पुरानी समस्या है।' कांग्रेस कार्यकर्ता प्रियंका गांधी के 5 लाख वोटों से अधिक से जीत के दावे कर रहे हैं।

बीजेपी को भी इस बार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद इसलिए है कि 2024 के आम चुनाव में उसके वोट प्रतिशत में करीब 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है लेकिन वायनाड का जातीय और धार्मिक समीकरण बीजेपी के लक्ष्य में बड़ा रोड़ा है। यहां 41 प्रतिशत मुस्लिम और 14 प्रतिशत ईसाई वोटर हैं। बाकी हिन्दू वोटर हैं लेकिन 9 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति और 6 प्रतिशत अनुसूचित जाति के वोटों में सेंध बीजेपी के लिए अभी दूर की कौड़ी दिखती है। अब य़ह देखने वाली बात होगी कि उपचुनाव के रिजल्ट कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दावे पर खरे उतरेंगे या कोई नई तस्वीर सामने आएगी।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

अगले जनम में धरम बदला गया तो क्या करोगे ?

व्यंग्य

जवाहर चौधरी
लेखक व्यंग्यकार हैं।

देखो बाबूजी विज्ञान का ज्ञान तो गया प्रूफ लेने । अपने को इसकी किसी चीज से मतलब नहीं। अपन तो एक ही बात जानते हैं कि पुराने जमाने में जो था वो खरा सोना था। आज के जमाने में वैसा कुछ हो ही नहीं सकता है। और जो होता दिख रहा है वह भी यह समझ लो कि पुराने जमाने की नकल है। पहले के जमाने में विमान थे भगवान आते जाते थे । आकाश मार्ग में लगातार ट्रैफिक चलता रहता था। लोगों के हाथों में इतनी शक्ति होती थी कि जिसका कोई जवाब ही नहीं। लोग पर्वत भी उठा लेते थे एक हाथ से । साधु संत श्राप दे कर मार देते थे और मौका आए तो जिंदा भी कर देते थे। ये बात आज के साइंस में नहीं है। बिना रेडियो और बिजली के आकाशवाणी होती थी और सब लोग सुना करते थे। कोई अच्छा काम करे तो ऊपर से पुष्प वर्षा होती थी। क्या ऐसा हो सकता है आज के जमाने में !! नहीं ना?

चमत्कारों का समय था जनाब चमत्कारों का। कोई महान आत्मा तथास्तु कह दे तो वह काम हो जाता था फट्ट से । आज आप नेताओं को लेकर भटकते रहो, पैसा फूँकते रहो तो भी काम नहीं होता। पहले थोड़ी बहुत तपस्या करो तो भगवान स्वयं प्रकट हो जाते थे और आपको कोई ना कोई वरदान दे जाते थे। वह तो अच्छा है कि आज लोगों को समझ में आ गया है और भगवान के भजन पूजन में लग गए हैं। बाबा लोग कहते हैं कि सच्ची श्रद्धा होगी तो सब की मनोकामना भी पूरी होगी। और अगर झूठे होंगे तो दंड मिलेगा। कथा सुनी होगी ना, सोने से भरी हुई नाव फूल-पत्र बन जाती है और अगर कोई दिल से प्रायश्चित कर ले तो वापस सोने से भर जाती है। इस बात को मानना पड़ेगा कि होता वही है जो प्रभु की इच्छा हो। ... सही है कि नहीं ?

नौकरी वोकरी के पीछे मत भागो। सैलरी या वेतन बड़ा नहीं होता है, बड़ा होता है संतोष । यानी आत्मिक शांति और आनंद । एक अंटा लगाओ भाँग का और मस्त हो जाओ चकाचक । अपुन टन्न दुनिया जाए भाड़ में । टन्न आदमी यानी संतोषी आदमी सबसे सुखी । कुछ समझ में आ रहा है तुमको कि नहीं। लोग बारिश की तरह टपक रहे हैं टपाटप टपाटप। लेकिन मान के चलो कि ठसाठस जनसंख्या ताकत है देश की। कोई लड़ेगा तो झोंक देंगे आँख मूँद के । जहाँ एक की जरूरत होगी वहाँ पाँच लगा देंगे। समझ क्या रखा है दुनिया ने हमको। हम हैं तभी न हमारा हजारों साल का सिस्टम है । जो सिस्टम का नहीं वह किसी काम का नहीं। जो एक नहीं होगा वह वन पीस भी नहीं रहेगा। और जो हमारी बात नहीं मानेगा उसे तो हम ही वन पीस नहीं रहने देंगे, यह बात ध्यान रखना। इस समय समाज हार्डकोर स्टेज में है। सबको मिलकर काम करना है जरूरत पड़े तो। विपत्ति के समय कोई छोटा नहीं कोई बड़ा नहीं। कोई सवर्ण नहीं कोई अछूत नहीं। सब एक है। यह जागरण का समय है। जागो जागो सब लोग जागो। सोते हुए लोगों जागो, और जगे हुए लोगों तुम और जागो। यह जागरण काल है। हम ना सोएँगे ना सोने देंगे।

कुछ सेकेंड के लिए उन्होंने मुँह बंद किया तो कहने का मौका मिल गया - 'अच्छे विचार हैं आपके, क्या आप पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं?'

'क्यों नहीं करेंगे !! ... पुस्तकों में कहा गया है कि आत्मा अमर है और वह शरीर बदलती है। अर्थात आत्मा एक शरीर से दूसरे शरीर में चली जाती है।'

'एक शरीर से दूसरे शरीर में जाने का क्या मतलब है?'

'कर्म के हिसाब से आदमी को शरीर मिलता है। कर्म अच्छे होंगे तो अच्छा शरीर मिलेगा, कर्म अच्छे नहीं होंगे तो नहीं मिलेगा। मतलब आदमी का कर्म खराब है तो वह पशु, पक्षी, कीट-पतंगा कुछ भी बन सकता है।' वे बोले।

'मतलब मरने वाले को मानव शरीर मिले या नहीं भी मिले ?'

'क्यों नहीं मिले ! मनुष्य एक शरीर छोड़ता है तो जनरली दूसरा शरीर उसे मानव का मिल सकता है।'

'कौन से मानव का मिलेगा?'

'कोई से भी मानव का मिल सकता है ।'

'यानी दूसरे जन्म में किसी हिंदू को मुसलमान या ईसाई या सिख का शरीर मिल सकता है?'

'वैसे तो नहीं हो सकता लेकिन... हो भी सकता है।'

'आज आप 'इस' धर्म में है कल अगर मरने के बाद 'उस' धर्म में पैदा हो गए तो क्या करेंगे !?'

'हम 'उस' धर्म में क्यों पैदा होंगे !! कोई कांग्रेस का राज है क्या कि किसी को कहीं भी पैदा कर दो !!'

'मान लीजिए ईश्वर ने आपके कर्म के हिसाब से आपको 'उस' धर्म में पैदा कर ही दिया तो आपको इस धर्म का विरोध करना पड़ेगा !'

!!एँ !! ...

-अगले जनम में धरम बदला तो क्या करोगे ?

! कुत्ता बिल्ली बन जाएँगे पर वो नहीं बनेंगे जो तुम बता रहे हो ... चलो निकल लो तो यहाँ से । जाने काँ-काँ से आ जाते हैं !

अखिल भारतीय कालिदास समारोह आयोजन विशेष

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

अभिज्ञानशाकुंतलम्: एक पुनर्विचार

महाकवि कालिदास रचित 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' का विश्व साहित्य में जो सम्मान है, उससे कोई अपरिचित नहीं। बीसवीं सदी में 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' को लेकर विद्वानों में बहुत विचार-विमर्श हुआ है। अखिल भारतीय कालिदास समारोह के इन बीते पैंसठ वर्षों में कई बार 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' का योग्य निर्देशन में मंचन हुआ। असंख्य शोधपत्र भी अब तक पढ़े जा चुके हैं, किन्तु मुझे लगता है कि बहुत कुछ ऐसा भी है जो हमसे छूट रहा है।

मेरा मानना है कि 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' दुष्यंत और शकुंतला की प्रेमकथा पर आधारित नाटक भर नहीं है। वहाँ कुछ और भी है। पूरी कहानी के केन्द्र में शकुन्तला है, शकुंतला का अभिज्ञान है। शकुंतला का अभिज्ञान केवल खोई हुई मुद्रिका के मिल जाने के कारण नहीं है। वह अभिज्ञान हमें बहुत दूर तक ले जाता है, शायद सातवें आसमान पर।

इतिहास की दुर्भाग्यपूर्ण और प्रायः कल्पित घटनाओं को एक तरफ रख कर देखें, तो शकुंतला कोई साधारण स्त्री तो है नहीं। उसके तार ऋषिकुलों से जुड़ते हैं। वह ऋषि विश्वामित्र की दुहिता है, ऋषि कण्व की पालिता है, कश्यप ऋषि (मारीच) की शरणागता है। इनमें से विश्वामित्र और कश्यप तो सप्तर्षियों में हैं, इनके आश्रम भी अंतरिक्ष में बताये गये हैं। कण्व पृथ्वी पर हैं, जिनके आश्रम में शकुंतला पली-बढ़ी। वहाँ भी वह निसर्ग-कन्या है। लता-पादपों, आश्रम के निर्भीक प्राणियों से उसका जो लगाव है, वह लोकोत्तर है।

दुष्यंत है तो पृथ्वी के राजसी स्वभाव का प्रतिनिधि। उसके द्वारा शकुंतला को पहचानने से इंकार करने के बाद की घटना पर हमारा ध्यान सहज ही जाता है। उसे वहाँ से एक अलौकिक शक्ति अपनी सुरक्षा में ले जाती है। वह अलौकिक शक्ति कोई दिव्य ज्योति है। कश्यप ऋषि का वह आश्रम, जहाँ गर्भवती शकुंतला ले जाई गई है, वह कहीं अंतरिक्ष में ही बताया गया है। कश्यप ऋषि सप्तर्षियों में से एक हैं, इसलिये उनका आश्रम अंतरिक्ष में हो, यह उचित ही जान पड़ता है। कितना अद्भुत है कि शकुंतला वहाँ अदिति के संरक्षण में तब तक रही, जब तक दुष्यंत इन्द्र के द्वारा सौंपे गये दायित्व को पूरा कर स्वयं कश्यप ऋषि के आश्रम में पदार्पण के योग्य नहीं हो जाता। अदिति देवमाता है। वह द्युलोक की अधिष्ठात्री है। शकुंतला का उसकी सन्निधि में होने को सामान्य नहीं कहा जा सकता।

कालिदास दुष्यंत और शकुंतला के पुनर्मिलन के स्थान का चयन बहुत सावधानी से करते हैं। यह स्थान एक आश्रम है-अदिति और कश्यप का आश्रम। ये दोनों दक्ष प्रजापति और मरीचि से उत्पन्न बताये गये हैं। दक्ष और मरीचि, दोनों ब्रह्मपुत्र हैं, दक्षपुत्री अदिति है। इस प्रकार ब्रह्मा से इस जोड़े में केवल एक पीढ़ी का अंतर है। द्वादश सूर्य का उत्पत्ति स्थान भी यही है। यह भी कहा जा सकता है कि यह वही स्थान है, जिसे वेदों में द्युलोक या आदित्यमंडल कहा गया । इस प्रकार देखें, तो शकुंतला सामान्य स्त्री नहीं, वह कोई दिव्य सत्ता है।

अभिज्ञानशाकुंतलम् उथला नाटक नहीं है। कालिदास इस नाटक की बुनावट बहुत बारीकी से करते हैं। पूरे नाटक में पाँचवें और छठे अंक के राजभवन के बहुत थोड़े से अंश को छोड़ दें, तो सर्वत्र आश्रम और निसर्ग के ही रमणीय दृश्य हैं। आश्रम की पृष्ठभूमि वैदिक पृष्ठभूमि ही लगती है। कालिदास वैदिक छंद का प्रयोग जिस तरह और जिस अवसर पर करते हैं, वह उस वैदिक पृष्ठभूमि की ही ओर इंगित करता है।

'अमी वेदिं परितः क्लृप्तधिष्ण्याः समिद्धन्तः प्रान्तसंस्तीर्णदर्भाः।
अपघ्नन्तो दुरितं हव्यगन्धैर्वैतानास्त्वां वह्नयः पावयन्तु।।'

कण्व के मुख से उद्धृत इस वैदिक छंद ने कथावस्तु का रंग ही बदल दिया है। यह प्रयोग विलक्षण है। संस्कृत साहित्य में ऐसा प्रयोग करने का साहस कालिदास को छोड़कर और किसी ने नहीं किया। इस एक छंद ने वेदकालीन परिवेश को आश्चर्यजनक तरीके से सामने ला खड़ा किया।

'अभिज्ञानशाकुंतलम्' का जो नान्दीपाठ है, वह भी 'शिव' से अधिक 'आद्या शक्ति' की स्तुति लगती है।

या सृष्टिः सृष्टुराद्या वहति विधिहुतं या हविर्या च होत्री
ये द्वे कालं विधत्तः श्रुतिविषयगुणा या स्थिता व्याप्य विश्वम्।
यामाहुः सर्वबीजप्रकृतिरिति यया प्राणिनः प्राणवन्तः
प्रत्यक्षाभिर्प्रपन्नस्तनुभिरवतुवस्ताभिरष्टाभिरीशः।।

इस पाठ में 'या' शब्द स्त्रीलिंग है, और छः बार आया है। यह पाठ स्पष्ट रूप से शकुंतला की उच्चतर चेतना की ओर संकेत देता है। इस नान्दीपाठ को सीधे-सीधे शिव की स्तुति मान लेने का औचित्य प्रतीत नहीं होता। इस नान्दी में दिव्य शक्तियों का समाहार है। यह नान्दीपाठ हमें 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' के अंतरंग में उतरने का न्यौता देता है। इस पाठ में ही वह कुंजी है, जो इस कालजयी रचना के रहस्य को समझने में सहायता करती है। इस नान्दीपाठ पर भी पुनर्विचार होना चाहिए।

शकुंतला कण्व के आश्रम की सिद्धि है। कालिदास शकुंतला की सखियों के नाम भी अनुसूया और प्रियंवदा रखकर कोई महत्वपूर्ण संदेश देते हुए लगते हैं। ये दो भारतीय नारी के नैसर्गिक मूल्य हैं, सच्चा शृंगार हैं। दूसरों के गुणों में दोष नहीं निकालने वाली स्त्री ही अनसूया है, और सदैव प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री ही प्रियंवदा है। कालिदास ने अभिज्ञानशाकुंतलम् के कथानक में इन दो सखियों की परिकल्पना तो की है, लेकिन वे शकुंतला के ही चरित्र की विशेषता बता रहे होते हैं।

कालिदास के नाटकों में अभिज्ञानशाकुंतलम् और विक्रमोर्वशीयम् में बहुत कुछ समानता है। कम से कम दोनों नाटकों की नायिकाओं में तो मुझे अभेद दिखाई देता है। उर्वशी भी तो ऋषिकन्या है। उसे इन्द्र की सभा की नर्तकी मान लेना न्यायोचित नहीं है। ऋग्वेद के दशम मंडल के सूक्त 95 में वह पुरूरवा के सामने स्वाभिमानिनी स्त्री है। विक्रमोर्वशीयम् में भी उसका चरित्र ऐसा ही है। उर्वशी को समझने के लिये एक बार श्री अरविन्द का लघु महाकाव्य 'उर्वशी' अवश्य देखना चाहिए। इसी तरह शकुंतला के रहस्य के ऊपर से भी कई परतें हटाई जाना अभी शेष है।

हस्तिनापुर के राजा दुष्यंत का कण्व के आश्रम में प्रवेश तक तो ठीक है, लेकिन वहाँ बहुत शीघ्रता के साथ शकुंतला के आगे प्रणय-निवेदन और उसके बाद की घटनाएँ स्वाभाविक नहीं लगती। यह घटना तो कण्व की आश्रम व्यवस्था पर सवाल उठाती है। इस पर हमारा ध्यान क्यों नहीं जाना चाहिए। इतना बड़ा सम्राट्? क्या उसे आश्रम के नियम नहीं मालूम होंगे? राजा आश्रम में मौजूद है, तो बाकी सब आश्रमवासियों को तो उसके आसपास ही होना चाहिए था। शकुंतला और दुष्यंत को एकांत की सुविधा मिली कैसे? कालिदास का एक वैशिष्ट्य है। वे कहीं कहीं अपने सृजन कौशल के लिये इतिहास और लोक-परम्परा के तत्वों को बिना छेड़-छाड़ किये उठा लेते हैं और फिर उसमें अपने रंग भरने लगते हैं। लेकिन इस पर भी पुनर्विचार तो अपेक्षित है।

नाटक का सातवाँ अंक तो इस पृथ्वी का है ही नहीं। दुष्यंत के दोषों का अंत दिखाने के लिये ही यह अंक रचा गया, फिर भी कालिदास दुष्यंत के प्रति बहुत तटस्थ हैं। इन्द्र के बुलावे पर दुष्यंत का स्वर्ग तक जाना, आसुरी शक्तियों का ध्वंस करने के बाद इन्द्र द्वारा देवों के सामने ही उसे अपना आधा आसन देना , फिर उसका लौटते हुए कश्यप ऋषि के आश्रम में पहुँचना, वहाँ सिंहशावक के दाँत गिनते हुए सर्वदमन को देखना, फिर शकुंतला से मिलन, ये सब कालिदास की उन कल्पनाओं का विस्तार है, जो उनकी वैदिक दृष्टि की सुंदर उपज है। कालिदास महर्षि कश्यप के मुख से शकुंतला के लिये 'साध्वी' और 'श्रद्धा' जैसे शब्दों का प्रयोग करवाते हैं, जबकि दुष्यंत के लिये 'वित्त' जैसा शब्द प्रयोग में लाते हैं, जो पार्थिव समृद्धि से अधिक नहीं। 'दिष्ट्या शकुन्तला साध्वी सदपत्यमिदं भवान्। श्रद्धा वित्त विधिश्चेति त्रितय तत् समागतम्।' यहाँ कश्यप और अदिति का दिया हुआ आशीर्वाद भी हमें वेदकालीन आशीर्वाद की ही याद दिलाता है। यहाँ कश्यप ने शकुन्तला के लिये कहा है-

'आखण्डलसमो भर्ता जयन्तप्रतिमो सुत।
आशीरन्या न ते योग्या पौलोमीसदृशी भव।।'

भरत का जन्म भी तो यहाँ सामान्य नहीं है। वह पृथ्वी से बहुत ऊपर एक ज्योतिर्मय प्रदेश में जन्म लेता है। शकुंतला को पहली बार जब दुष्यंत ने देखा था, तब तत्काल उसके मुख से निकल गया-'अये लब्धं नेत्रनिर्वाणम्', और जब उसने पहली बार सर्वदमन भरत को देखा, तब उसके मुख से अनायास निकला-'महतस्तेजसो बीजं बालोऽयं प्रतिभाति मे। स्फुलिङ्गावस्थया वह्निरेधापेक्ष इव स्थितः।' कालिदास भरत को 'महान् तेज का बीज' कहते हैं। उसे ऐसी चिंगारी कहते हैं, जो थोड़ा सा अवसर पाकर धधक उठेगी। सचमुच यह कालिदास का भविष्य दर्शन है, जिसे हम फलीभूत होते देखते हैं।

पूरा 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' धरती और स्वर्ग का मिलन है। यह द्यावा और पृथ्वी के अन्तर्सम्बंधों की कथा कहता है। यह नाटक प्राचीन ऋषिकुलों का एक खूबसूरत चित्र हमारे सामने खींच देता है। 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' की कहानी मनोरंजन की कहानी नहीं है। वहाँ स्थूल प्रेम की व्यंजना से कहीं अधिक वे तत्व हैं, जो प्राचीन भारत का गौरव-गान करते हैं। इसकी कथा में कई उतार-चढ़ाव हैं, कई रहस्य हैं, जो अब भी हमारे अभिज्ञान में नहीं है। शायद इसीलिए कालिदास का 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' हमसे गम्भीर शोध और अनुसंधान की मांग करता है। संस्कृत साहित्य के विद्वान् और शोधार्थी पिष्टपेषण छोड़कर कालिदास के साहित्य की गहराई में उतरें, तो कई नये तथ्य सामने लाये जा सकते हैं।

धर्म संस्कृति

चेतनादित्य आलोक

लेखक पत्रकार हैं।

गंगा स्नान और दीपदान का महत्व

सनातन धर्म में 'दीपावली' के समान ही 'देव दीपावली' पर्व का भी बहुत महत्व है। इसीलिए दीपावली की तरह ही इसको भी 'दीपों का त्योहार' कहा जाता है। देव दीपावली का यह पावन पर्व प्रत्येक वर्ष दिवाली के ठीक 15 दिन बाद यानी कार्तिक माह की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। वैसे तो सनातन धर्म में आस्था रखने वाले श्रद्धालु देश भर में नदियों के किनारे स्नान एवं दीपदान के साथ इस पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं, परंतु इसका मुख्य आयोजन तो काशी में गंगा नदी के तट पर ही किया जाता है, जहां देश भर से अनुयायी गंगा स्नान एवं दीपदान करने हेतु पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन सभी देवतागण स्वर्ग से सीधे काशी की पवित्र भूमि पर आते हैं और दीपावली का पर्व मनाते हैं। यही कारण है कि इसे 'देव दीपावली' के नाम से जाना जाता है। बता दें कि सनातन धर्म के अनुयायी इस अवसर पर काशी यानी वाराणसी के घाटों को मिट्टी के दीपों से सुसज्जित करते हैं। इस दिन पूरी काशी नगरी एक विराट् उत्सव के प्रकाश और हर्ष-उल्लास में डूब जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे संपूर्ण काशी नगरी दिव्यता की रोशनी में नहा रही हो। चारों तरफ भव्यता की अनुभूति होती है। ऐसे में भक्ति और आनंद में डूबा हुआ मन इस प्रकार रम जाता है कि यहां आने वाले सभी श्रद्धालु काशी में ही रहकर यहां की दिव्य रोशनी और भव्य अनुभूतियों के साक्षी बने रहना चाहते हैं।

देव दीपावली पर दीपदान का महत्व- हिंदू शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार देव दीपावली के दिन गंगा स्नान करने के बाद दीपदान करने का बड़ा महत्व है। शास्त्र बताते हैं कि देव दीपावली के दिन काशी की पवित्र धरती पर पधारने वाले सभी देवतागण भी परम पवित्र गंगा नदी में स्नान करने के बाद दीपदान करते हैं। इसीलिए हिंदू धर्मावलंबी ऐसा मानते हैं कि इस दिन गंगा स्नान करने एवं दीपदान करने से देवतागण प्रसन्न होते हैं और भक्तों पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखते हैं। यही नहीं, इससे भक्तों को पूरे वर्ष शुभ फल की प्राप्ति होती रहती है, जिसके प्रभावस्वरूप उनके सभी पापों का नाश हो जाता है तथा उनको सभी कार्यों में सफलता मिलती है। इस प्रकार देखा जाए तो दिवाली के बाद यह देव दीपावली पर्व देवताओं की कृपा प्राप्त करने का एक और अवसर प्रदान करता है।

देव दीपावली की पौराणिक कथा- शिव पुराण में वर्णन है कि ताड़कासुर का पुत्र त्रिपुरासुर राक्षस के अत्याचारों से न केवल पृथ्वी पर मनुष्य, बल्कि स्वर्ग में देवतागण भी पीड़ित थे। दरअसल, त्रिपुरासुर ने तपस्या के बल और प्रताप से सफलतापूर्वक पूरी दुनिया को जीत लिया और यह वरदान प्राप्त कर लिया था कि उसका अंत तभी हो सकता है, जब कोई उसके द्वारा निर्मित तीन नगरों को एक ही बाण से भेद देगा। ये तीन नगर 'त्रिपुरा' के नाम से जाने जाते थे। त्रिपुरासुर राक्षस के अत्याचारों से त्रस्त हो चुके देवताओं ने देवाधिदेव भगवान भोलेनाथ शिवशंकर से रक्षार्थ प्रार्थना की, जिसके बाद भगवान शिव ने एक ही बाण से उसके तीनों नगरों को नष्ट करने के बाद त्रिपुरासुर राक्षस का वध किया था। हिंदू शास्त्रों में उल्लेख है कि जिस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर राक्षस का वध कर मनुष्यों एवं देवताओं की रक्षा की थी, वह शुभ दिन कार्तिक महीने की शुभ पूर्णिमा तिथि थी। त्रिपुरासुर-वध से सभी देवता अत्यंत प्रसन्न हुए और भगवान शिव के प्रति आभार व्यक्त करने हेतु काशी नगरी में पधारे। इस अवसर पर देवताओं ने संपूर्ण काशी में दीप जलाकर खुशियां मनाई थीं। यही कारण है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन भक्ति-भाव के साथ देव दीपावली मनाने की सदियों पुरानी परंपरा काशी में आज भी अनवरत जारी है। बता दें कि इस वर्ष 15 नवंबर को देव दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। मान्यता है कि इस दिन शुभ मुहूर्त में दीपदान करने से जीवन में अपार सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

देव दीपावली पूजन विधि- इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में गंगा अथवा किसी भी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। यदि ऐसा करना संभव न हो तो घर पर ही पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान किया जा सकता है। उसके बाद भगवान भोलेनाथ शिवशंकर तथा भगवान श्रीहरि विष्णु का ध्यान करते हुए पूजन करना चाहिए। संध्या समय किसी नदी या सरोवर पर जाकर दीपदान करना चाहिए। यदि आस-पास कोई नदी या सरोवर नहीं हो तो ऐसी स्थिति में किसी मंदिर में दीपदान करना चाहिए। इस अवसर पर अपनी सामर्थ्य के अनुसार 01, 05, 11, 21, 51 अथवा 108 आटे के दीए प्रज्वलित कर अर्पित करना चाहिए। इसके साथ ही अपने घर में एवं घर के पूजा स्थल पर भी दीप प्रज्वलित करने चाहिए।

(इतिश्री)

विचार

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

कारें शान शौकत, दिखावा या जरूरत

आज के युग में कारों की भरमार है। चमचमाती लग्जरी लंबी चौड़ी कारें। अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से युक्त तथा अब इलेक्ट्रिक कारें, हाइवे, सड़कों और छोटी छोटी अंदरूनी सड़कों पर सरपट दौड़ती कारें। चौराहों, ट्रेफिक सिग्नल और व्यस्ततम मार्गों पर नियमों को धता बताती लंबे लंबे जाम लगाती कारें। बड़े शहरों में प्रदूषण बढ़ाती, तेज आवाज में फूहड़ गाने बजाती कारें। इनमें ज्यादातर नव धनाड्य वर्ग के नशा करके मस्ती में चूर गाड़ी दौड़ाने वाले बिगड़ैल युवा। यही सब वज़ह होती है दुर्घटनाओं की, हिट एंड रन, चौराहा या सड़क पार करते लोगों की असमय मौत की।इनकी जान की परवाह तेज गति से वाहन चलाने वालों को तो कतई नहीं होती।

हैरानी की बात है कि हाल के वर्षों में सड़कों पर लग्जरी लंबी चौड़ी गाड़ियां कुछ ज्यादा ही दिखाई देने लगी है।बैंके बड़ी आसानी से कारों के लिये दिल खोलकर कर्ज बांट रहे और इसके लिये आये दिन शिविर भी लगते हैं। कारों की खरीदी-बिक्री के लिये नये बाजार और बिचौलिये तैयार हो गये हैं। आप बस इच्छा ज़ाहिर कीजिये बैंक, फाइनेंस कंपनियां और बिचौलिये आपको कर्ज में डुबोने को हार- फूल लेकर तैयार बैठे हैं। हालांकि इस खेल में पार्किंग सबसे बड़ी समस्या के रूप में है। इसी के चलते बाजारों, मुख्य सड़कों से लेकर रहवासी इलाकों में लोग रोड पर घरों के सामने ठसक के साथ से बड़ी गाड़ियां बेतरतीब ढंग से खड़ी कर देते हैं। ना तो घरों में पार्किंग की जगह छोड़ी गई और ना कॉलोनियों में।

कारें ही नहीं बल्कि नई डिजाइन की बाइक्स भी कानफोडू शोर और अजीब से हार्न बजाती सड़कों पर बेखौफ दौड़ती नजर आती है। कुछ साल पहले बॉलीवुड की एक-दो चर्चित मूवीज में लंबी सी बाइक पर छह-सात लोगों को बैठे दिखाया गया था। आजकल के खासकर युवाओं ने इसी से प्रेरणा लेकर महंगी और अलग दिखने वाली बाइक्स लेकर दौड़ाना शुरू किया है। उन्हें ना तो खुद की जान की परवाह होती है और ना अन्य वाहनों और पैदल चलने वाले राहगीरों की। वे सड़कों पर सर्कस जैसे करतब दिखाते हुए बाइक्स दौड़ाते दिखते हैं।

हालांकि बाइक्स आज के वक्त गाँवों के टेड़े मेड़े रास्तों से लेकर खेत खलिहान तक और शहरों में काम पर जाने वाले लोगों की मुख्य सवारी है जो सर्वाधिक उपयोग में आती है। लेकिन अपवाद को छोड़कर आये दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं और लोगों को घायल कर उ नकी मौत की प्रमुख वज़ह बनती जा रही है। राजधानी भोपाल में ही हाल में बाइक से जा रहे एमबीबीएस के दो छात्रों की मौत झकझोर देने वाली थी। ऐसी अनेक घटनाएं अकारण असमय मौतों का कारण बन रही है। भोपाल का तो पता नहीं पर इंदौर में जरूर मोडिफाई साइलेंसर लगाकर और बुलेट में पटाखे की आवाज करने वाले बाइक चालकों पर सख्त कार्रवाई की ख़बर है। गैरेज वालों को भी हिदायत दी गई है कि वे मोडिफाई साइलेंसर नहीं लगायें।

हाल ही में हमें निजी कारणों से भोपाल से इंदौर की यात्रा कार से करना पड़ी क्योंकि ट्रेन की टाइमिंग विचित्र है। भोपाल से इंदौर तो पहुंच गये लेकिन यहाँ एक बड़े से मॉल के नज़दीक से गुजरने वाली रोड से लेकर विजय नगर, देवास नाका, पलासिया और गीता भवन आदि चौराहों पर लगे जाम में फंसकर गंतव्य तक पहुंचने में ही डेढ़ घंटे लग गये। गाड़ियों के शोरगुल और जहरीले धुंए से भी दो चार होना पड़ा सो अलग। दूसरे दिन स्थानीय अख़बारों की सुर्खियों मे था कि इंदौर में जगह जगह जाम के चलते लोगों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। खबरों में जिला कलेक्टर को कोट करते हुए छपा कि 'सड़कों पर रोज नये वाहन उतर रहे हैं । चुनौती यह है कि एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचने में अभी जो समय लग रहा है वह और ना बड़े।÷ दरअसल सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण भी जाम का कारण बन रहा है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इंदौर में ही बीते तीन माह में 6 बड़े प्रयोग हुए लेकिन हकीकत कुछ और ही बयां करती है। नतीजतन आये दिन जाम के हालात बनते हैं।'

सिर्फ इंदौर ही नहीं राजधानी भोपाल सहित अन्य शहरों और राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली समेत सभी बड़े शहरों की यही कहानी है। भोपाल के शाहपुरा से लेकर बावड़िया स्थित मॉल तथा कोलार, चूना भट्टी आदि पर पीक ऑवर्स में इस तरह के हालात बनते हैं कि सड़क किनारे चलना और सड़क पार करना जोखिमपूर्ण है। अलसुबह से लेकर दोपहर तथा शाम के समय भी शिक्षण संस्थाओं की बड़ी बसें और सिटी बसों का जाम लगाने में योगदान कम नहीं है। हालांकि पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल अभी भी लोगों की पसंद में शामिल नहीं है।

कारों की बात से आलेख की शुरुआत हुई थी तो लंबी चौड़ी और ज्यादा जगह घेरने वाली गाड़ियों में एसयूवी, फारचूनर, स्कार्पियो इनोवा, होंडा सिटी, पजेरो, टाटा सफारी, ब्रेजा , क्रेटा, सियाज, महिन्द्रा थार आदि शामिल की जा सकती है। रतन टाटा के सपनों की छोटी कार नैनो चल नहीं सकी तो छोटे परिवारों की पसंद अभी भी आल्टो बनी हुई है।

बारी बरई समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

विधायक ने किया पुस्तिका का विमोचन

बैतूल। बारी बरई समाज संगठन के तत्वावधान में रविवार केसर बाग में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के आतिथ्य में और समाज के अध्यक्ष संगठन के अध्यक्ष गुलबराव पोटे की अध्यक्षता में समाज के युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन और पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। हेमंत खंडेलवाल ने बारी बरई समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि बारी समाज अमृत तुल्य औषधी पान की सेवा करता है। उन्होने कहा कि पान के विषय में हिन्दू शास्त्र और ग्रंथों में उल्लेख है और देवताओं को पान

चढ़ता है। इसके बिना पूजा अधूरी है। साथ ही श्री खंडेलवाल ने समाज की यथोचित सहायता के लिए राशि भेंट करने का आश्वासन दिया। साथ ही मंगल भवन के लिए हर तरह का सहयोग की घोषणा की। सचिव निलेश पानकर ने बताया कि जिले में लगभग 5 सौ परिवार निवासरत हैं। मीडिया प्रभारी कमलेश भोपले ने बताया कि कार्यक्रम में छग, महाराष्ट्र और मप्र के सभी जिलों के स्वजातीय बंधुओं ने सहभागिता की। बैतूल अध्यक्ष गुलाब पोटे व कार्यकारी अध्यक्ष दीपक गुजर ने बताया कि समाज के वरिष्ठ महिला एवं पुरुषों को अतिथि गणों के द्वारा शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया साथ ही प्रतिभावान छात्रों को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुषमा दारोकार व विशाल भोपले ने व आभार जिला सचिव निलेश पानकर व प्रदर्शन विजय साठे ने व्यक्त किया। इस अवसर पर गंगाधर भोपले, दीपक लाड, गनानक अस्वार, भैंसदेही अध्यक्ष गजानन अस्वार, विशाल भोपले, बारी बरई समाज संगठन के जिला अध्यक्ष गुलाबराव पोटे कार्यवाहक अध्यक्ष दीपक गुर्जर बैतूल महिला अध्यक्ष सुषमा दारोकर भैंसदेही अध्यक्ष पूनम बोरेकर मुलताई अध्यक्ष वैशाली राउत बैतूल बाजार सगीता साठे, पूनम बोरकर, मुलताई अध्यक्ष वैशाल राउत, विजय साठे सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु मौजूद थे।

स्वरोजगार मूलक योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे : कलेक्टर

राजस्व अधिकारी राजस्व वसूली में प्रगति लाए, राजस्व प्रकरणों का समय पर निराकरण करें

बैतूल। केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार मूलक योजनाओं से सभी पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाए। बैंकों से समन्वय कर इन योजनाओं से संबंधित शत प्रतिशत प्रकरणों को स्वीकृत एवं वितरित कराएं। ताकि हितग्राही समय पर लाभान्वित हो अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकें। यह निर्देश कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर श्री मकसूद अहमद, उप वनमंडल अधिकारी श्रेयस श्रीवास्तव सहित सभी

विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, भगवान बिरसा मुंडा योजना, सावित्रीबाई फुले स्वरोजगार योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ भीमराव अंबेडकर योजना इत्यादि स्वरोजगार मूलक योजनाओं की समीक्षा कर इन योजनाओं में बैंक स्तर पर कैंप आयोजित कर आगामी 30 नवंबर तक शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की भी समीक्षा कर सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सभी आवास स्वीकृत कराएं। उन्होंने कहा कि हर नगरीय निकाय अपने क्षेत्र में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में निर्धारित लक्ष्य के अतिरिक्त 10 हजार, 20 हजार एवं 50 हजार ऋण राशि के नवीन प्रकरण को भी बैंकों को प्रेषित कर स्वीकृत एवं वितरित कराएं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड इत्यादि योजनाओं में भी प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने 7 दिसंबर को नर्मदापुरम में आयोजित होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारी के संबंध में भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र को निर्देश दिए कि आयोजन में सहभागिता के लिए बृहद स्तर पर उद्योगपतियों, उद्यमियों का निर्धारित पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराएं। जिले में निवेश के लिए इच्छुक उद्योगपतियों, उद्योग स्थापना के लिए लैंड बैंक इत्यादि की व्यवस्थित जानकारी संधारित की जाएं। सभी तैयारियां व्यापक स्तर पर की जाए। आवश्यक समन्वय एवं मार्गदर्शन के लिए दल गठित कर कंट्रोल रूम संचालित किया जाएं।

देवउठनी एकादशी पर जिले में बाल विवाह रोकने कलेक्टर ने जारी किए दिशा निर्देश

बैतूल। जिले में 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी के शुभ मुहूर्त में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह समारोह आयोजित किए जाएंगे। ऐसे में बाल विवाह होने की आशंका भी रहती है। इस सामाजिक कुरीति को रोकने के लिए कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने जिला, तहसील एवं विकासखंड स्तर पर टीम गठित कर देवउठनी एकादशी के अवसर पर बाल विवाह रोकने के संबंध में दिशा निर्देश जारी किए है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बाल विवाह रोकथाम के लिए गठित दल को बाल विवाह पर निगरानी रखे जाने तथा बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने आंगनवाडी स्तर पर 18 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं एवं 21 वर्ष से कम उम्र के बालक की सूची तैयार किए जाने तथा जिला एवं खंड स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 पर कार्यशाला का आयोजन किए जाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सामूहिक विवाह आयोजनकर्ताओं से बाल विवाह नहीं करेगें और न होने देगें की शपथ भी दिलवाए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा प्रिंटिंग प्रेस, हलवाई, केटर्स, धर्मगुरु, बैन्डवाला, ट्रांसपोर्टर एवं समाज के मुखिया से वर-वधु की उम्र संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त कर परीक्षण के पश्चात ही विवाह में अपनी सेवाएं प्रदान किए जाने के निर्देश दिए है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, एसडीएम, तहसीलदार और स्थानीय थाना पुलिस के दल को यदि कहीं कोई बाल विवाह होते हुए मिलता हैं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ब्राह्मण समाज का सम्मान समारोह एवं दीपावली मिलन कार्यक्रम संपन्न

मंगल भवन हेतु दान की जमीन, 40 से अधिक होनहार छात्रों, युवाओं, बुजुर्गों का हुआ सम्मान

बैतूल। सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर होनहार छात्र-छात्राओं, प्रतिभाशाली युवाओं और वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। विप्र प्रतिभा सम्मान और दीपावली मिलन समारोह के कार्यक्रम में बडी संख्या में सामाजिक बंधु, जनप्रतिनिधि एवं शहर के अन्य गणमान्य नागरिक शामिल हुए। शहर के कालापाठा में स्थित द्वारका मैरिज लॉन में रविवार को आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम का पूजन कर तथा नन्ही- मुन्नी बच्चियों द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना के साथ हुई। कार्यक्रम में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, भोपाल से पधारे वरिष्ठ पत्रकार पं. रमेश शर्मा तथा पं. आनंद पांडे, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. आदित्य बब्ला शुक्ला, सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. नरेन्द्र शुक्ला, सनातन ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. सुभाष पांडे, प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य व शिक्षाविद ब्राहमण रत्न पं. कांतु दीक्षित, पं. ब्रजकिशोर टीटू पांडे, शाहपुर ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. जितेन्द्र दीक्षित मंचासीन रहे। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ अशोक पप्पन मिश्रा ने बैतूल शहर में ब्राह्मण समाज के मंगल भवन हेतु 2400 स्क्वेयर फीट जमीन दान की, जिस पर जल्द ही समाज का मंगल भवन बनेगा।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि मैं सदैव ब्राह्मण समाज के लिए खड़ा हूं और उन्होंने मंच से घोषणा की कि दान की गई जमीन पर ब्राह्मण समाज के मंगल भवन बनाने में वे समाज की पूरी मदद करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा ने सर्वप्रथम ब्राह्मण समाज की मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा कि आज के बच्चे दिशाहीन हो रहे है। हमारा दायित्व है कि बच्चे सही दिशा और मार्गदर्शन में रहकर कार्य करे। खासकर माताओं का दायित्व है कि वे बच्चों को संस्कारवान बनाये। उन्होंने कई माताओं का उदाहरण देकर बताया कि शिवाजी का पालन उनकी माता ने किया। जितने भी महापुरूष रहे है उनका पालन माताओं ने ही किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार आनंद पांडे ने कहा कि ब्राह्मण समाज का संगठित रहना आवश्यक है। हम धर्म और आध्यात्म की बात कर रहे है। अध्यात्म और धर्म हमारी जड़े है, जिसे हमें कभी नहीं छोडना चाहिए। अगर हम यहां पर आये है तो ऊपर वाले की इच्छा से आए है। किसी भी महापुरूष या बड़े कामयाब व्यक्ति की बात करे तो उसके पीछे आध्यात्म जरूर होगा। उन्होंने कहा कि आध्यात्म प्रतिभा को बढ़ा देता है। कार्यक्रम का मंच संचालन तूलिका पचौरी एवं अजय दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ पत्रकार पं. सुनील द्विवेदी ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान पर्यावरण संतुलन का संदेश देते हुए सम्मानित हुए लोगों को मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटम् के साथ पौधे भी वितरित किए गए।

होनहार बच्चों, प्रतिभाशाली युवाओं और वरिष्ठजनों का किया सम्मान- इस दीपावली मिलन एवं सम्मान समारोह के दौरान समाज के लगभग 40 होनहार बच्चों, अलग-अलग क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन करने वाले 35 प्रतिभाशाली युवाओं सहित वरिष्ठजनों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर पं. संजय पप्पी शुक्ला, पं. प्रमोद शर्मा, पं. शैलेश गुबरेले, पं. संजय द्विवेदी, पं. आशीष पचौरी, पं. अंशुल शुक्ला, वीके पालीवाल, सुनील गुड्डू शर्मा, कार्तिक मिश्रा, अरुण भटट्, धीरू शर्मा, पवन शर्मा, अरविंद देशपांडे, प्रशांत मांडवीकर, बाबू भार्गव, ध्रुव शुक्ला, मातृशक्ति में तरुणा द्विवेदी, निमिषा शुक्ला, प्रेरणा शर्मा, सीता शुक्ला, नंदिनी तिवारी, निमिषा द्विवेदी,विपाशा मिश्रा सहित बड़ी संख्या में बाह्मण समाज के महिला, पुरूष एवं बच्चें मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए भैंसदेही में आयोजित हुई बैठक

आजाद अध्यापक संघ ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग उठाई

बैतूल। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने अपनी प्रमुख मांगों में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर एक बार फिर से आवाज उठाई है। भैंसदेही विकासखंड में आयोजित संघ की बैठक में जिला अध्यक्ष विनय सिंह राठौड़ की उपस्थिति में अध्यापक संवर्ग की विभिन्न लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में क्रमोन्नति, उच्च पद प्रभार, डीए एरियर का भुगतान और पुरानी पेंशन लागू करने जैसी महत्वपूर्ण मांगें सामने रखी गईं, जिनके शीघ्र निराकरण की मांग की गई है। बैठक में संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी की अनुशंसा और जिला अध्यक्ष विनय सिंह राठौड़ की सहमति से ब्लॉक भैंसदेही के कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। इसमें सुनील जयसवाल को ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया,

जबकि महिला विंग के लिए मंजुला बोरासी को ब्लॉक अध्यक्ष और कुसुम सावले को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। अन्य पदाधिकारियों में विजेंद्र कनाठे को उपाध्यक्ष, अशोक लोखंडे को सचिव, और रंजीत भट्ट को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। महिला विंग में मालती भलावी को ब्लॉक उपाध्यक्ष और अनीता धोटे को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। स्वर्णलता गणेशे को कोषाध्यक्ष और पुष्पलता धुर्वे को ब्लॉक सचिव का दायित्व दिया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजेश गंगारे, महेंद्र भारती, लक्ष्मीचंद लिल्हौरे, मुकेश उपराले, और जितेंद्र वागद्रे सहित जिले की कार्यकारिणी के सदस्य भी बैठक में उपस्थित रहे। सभी ने एकमत से पुरानी पेंशन बहाली और अन्य लंबित मांगों पर प्रशासन से शीघ्र कार्यवाही की मांग की। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष भरत पटेल ने भी इस मुद्दे पर संघ की एकजुटता को सराहा और सदस्यों से आगामी आंदोलनों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

प्रदेश स्तरीय बास्केटबाल प्रतियोगिता में बैतूल ने बाजी मारी

देर रात तक चली बास्केटबॉल प्रतियोगिता

बैतूल / मुलताई। उत्कर्ष विद्यालय मैदान पर आयोजित राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में देर रात तक हुई प्रतियोगिता में मुलताई गर्ल और बैतूल गर्ल में फाइनल मैच खेला गया जिसमे बैतूल टीम ने मुलताई गर्ल्स को 20-8 से पराजित कर फाइनल जीत लिया और बॉयज फाइनल बैतूल और इटारसी के बीच हुआ जिसमें बैतूल ने इटारसी को 61-53 से पराजित कर फाइनल अपने नाम किया विजेता टीम को नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गड़ेकर ने शील्ड प्रदान की। बॉयज विजेता को 5100 का बॉयज उपविजेता को 3100 गर्ल्स विजेता को 2100 और उपविजेता को 1100 रू की इनामी राशि विधायक चंद्रशेखर देशमुख द्वारा दी गई द्य एसोसियन द्वारा मुलताई मे पहेली बार बड़े स्तर पर बास्केटबाल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया , जिसमें नर्मदापुरम , छिंदवाड़ा, बैतूल , पांढुरना और मेजबान टीम मुलताई के अंडर 19 गर्ल्स और बोयस् टीम ने हिस्सा लिया , लीग मेच के निर्णायक मुकाबला रात मे हुआ मुलताई में पहेली बार नाइट मेच का आयोचन किया गया जिसमे लाइट की व्यवस्था मुलताई बास्केटबाल एसोसियन द्वारा की गई, नाइट में पहला सेमीफाइनल मैच बैतूल गर्ल्स और छिंदवाड़ा गर्ल्स द्वारा के बीच हुआ जिसमे बैतूल गर्ल्स विनर हुई और फाइनल में अपनी जगह बनाई , दूसरा सेमीफाइनल मुलताई गर्ल्स और नर्मदापुरम गर्ल्स का हुआ जिसमे मुलताई ने विनर हुई जिसमे मुलताई ने नर्मदापुरम को 8-0 से पराजित किया जिसमे मुलताई की तरफ से यशयश्वी , साक्षी , चंचल , खुशी, सृष्टि , भाविका, गरिमा , मिंटी, पलक, सिद्धि , द्वारा बेहतर प्रदर्शन रहा , उसके बाद गर्ल्स के 3हस्त्र प्लेस के लिए छिंदवाड़ा और नर्मदापुरम का मुकाबला हुआ इसमें छिंदवाड़ा ने नर्मदापुरम को हरा कर तीसरा प्लेस हासिल की , जिसके बाद बायस का पहला सेमीफाइनल बैतूल और नर्मदापुरम के बीच में हुआ जिसमे नर्मदापुरम बॉयज को बैतूल के 55-48 से पराजित कर बैतूल ने फाइनल में अपनी जगह बनाई और उसके बाद मुलताई बॉयज टीम के तरफ से गौतम , वाशु, दादू , नैतिक, मंथन, नितिन, पुष्पराज, धवल, हर्ष, प्रभात, मयूर के अच्छे प्रदर्शन के चलते सेमी फाइनल में जगह बनाई , दूसरा सेमीफाइनल मुलताई इटारसी के बीच हुआ जिसमे इटारसी बॉयज ने मुलताई टीम को 54 - 46 से पराजित कर फाइनल में अपनी जगह बनाई । वरिष्ठ बास्केटबॉल प्रशिक्षण राकेश बाजपेई के नेतृत्व मे बैतूल की दोनों टीमों ने गर्ल्स एवं पुरुष दोनों ही वर्ग में अपनी जीत दर्ज की गर्ल्स बैतूल टीम की इशिता द्विवेदी, सृष्टि मिश्रा, श्रेया सोनी, वंशिका पचौली, मायना बड़ौदे ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। इस आयोजन के प्रमुख सचिन पॉल , विशाल भारती, मितेश गुलतकर, पंकज सतपुते , विशाल सोनी , देव पांसे, कैलाश जैन, आकाश माहोरे, विशाल ठाकुर , अमन पवार , पारस पवार , मोहित अग्रवाल, अमन खंडेलवाल, कार्तिक शर्मा, वरुण , पवन जैन थे।

सांच को आंच, झूठ को छूट !

मामला पट्टे की जगह पर एक महिला की दबंगई दिखाने का

बैतूल। शहर के सदर क्षेत्र के शास्त्री वार्ड में पट्टे की जगह पर काबिज दो परिवार का मामला इसलिए थाना कोतवाली पहुंच गया कि उसमे एक महिला की नियत में खोट आ गई और वह महिला होने का फायदा लेने दबंगई करते हुए अपने बाजू में रहने वाले दूसरे के कमरे में दीवार तोड़कर कब्जा जमा लिया और वहां रखे सामान को भी चुरा लिया। महिला की इस अनाधिकृत करतूत से व्यथित आवेदक ने न्याय के लिए थाने में जाकर इसकी शिकायत की तो उल्टे उसको ही जेल भेज दिया गया है। यानी इस मामले में कानून का ऐसा प्रयोग किया गया है कि सांच को आंच आ गया और झूठ को छूट दे दी गई है। अब प्रशासन के लिए यह सिर दर्द का विषय बन गया है कि फरियादी के पति सतीश यादव जेल से अपनी जमानत करवाने से इंकार कर रहे है। इस मामले में उनका कहना है कि अपराध करने वाली महिला पर तो कोई कार्रवाई नहीं की गई बल्कि उल्टे उन्हें ही सजा दे दी गई।

मिली जानकारी के मुताबिक शास्त्री वार्ड में स्थित महाजन हॉस्पिटल के सामने शहीद दीपक चौक के बगल में सरकारी जमीन पर पट्टे पर काबिज स्वर्गीय संतरी बाई साहू ने जीवित अवस्था में अपने उपचार हेतु कब्जे के एक हिस्से पर बने 10 बाई 15 यानी 150 वर्ग फीट के टीन के शेड और ठाठ को पिछले वर्ष 30 नवंबर 2023 को उनके परिवार की आपसी सहमति से फरियादी सतीश यादव को बेच दिया था जिसकी नोटरी द्वारा दो गवाहों के समक्ष बकायदा लिखा-पढ़ी भी हुई थी। इस प्रकार वहां एक हिस्से में विक्रेता के परिजन और एक हिस्से में सतीश यादव का परिवार रहने लगा। लेकिन विक्रेता संतरी बाई साहू की मौत होने के बाद उनकी नातिन दीपा साहू वहां अवैध रूप से कब्जा जमाने लगी।

क्रेता सतीश यादव की पत्नी आशा यादव ने बताया कि अनावेदिका दीपा पति सूर्यशेखर साहू उर्फ सुरूू की गत 28 अक्टूबर को मेरे पति सतीश यादव के द्वारा कोतवाली थाने में शिकायत की गई थी कि दीपा द्वारा मुझे झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जा रही है। और इसके बाद गत 7 नवंबर को हमारे काबिज कमरे में दीवाल तोड़कर उसके द्वारा अंदर से ताला जड़ दिया गया और वहां रखा कुछ सामान भी उठा ले गई। ताकि हम वहां नहीं रह पाए और उनका खुद का कब्जा हो जाए। इसके बाद सतीश यादव के साथ न्याय करने के बजाय एसडीएम द्वारा उन्हें जेल भेज दिया है। और जिस महिला ने दबंगई करते हुए अंदर की दीवार को तोड़कर कानून की धज्जियां उड़ाने का दुस्साहस किया है उन्हे प्रशासन द्वारा कुछ नहीं करके एक तरह से दबंगई करने वाली महिला दीपा साहू को सहयोग किया गया।

घटना से प्रताड़ित हुई सतीश यादव की पत्नी आशा ने बताया कि उनके पति का स्वास्थ्य ठीक नहीं है जिसका इलाज एम्स हॉस्पिटल भोपाल में चल रहा है। वह किसी तरह मेहनत-मजदूरी करके अपने दो छोटे-छोटे बच्चों को पालन-पोषण कर रही है। उनका आरोप है कि प्रशासन द्वारा इस मामले में एकतरफा कारवाई करते हुए पति को जेल भेज दिया, जिससे उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उनका कहना है कि कानून के रखवाले ही कानून का दुरुपयोग कर रहे हैं। इस आशय को लेकर उन्होंने सोमवार 11 नवंबर को एसपी निश्चल एन. झारिया को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। फरियादी की पत्नी ने एसपी को दिए आवेदन में अपने आधिपत्य की जगह पर रहने दिए जाने तथा दीवार तोड़कर अनाधिकृत रूप से ताला लगा देने वाली दीपा साहू पर तुरंत अपराध दर्ज कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। गौरतलब है कि फरियादी की पत्नी आशा यादव ने जब आवेदन पत्र प्रस्तुत किया, तब उनके साथ विक्रेता स्वर्गीय श्रीमती संतरीबाई साहू के पुत्र जगदीश साहू भी श्रीमती आशा सतीश यादव के पक्ष में एसपी के समक्ष मौजूद हुए थे।

इनका कहना-

पीड़ित महिला आशा सतीश यादव को सांत्वना देते हुए एसपी बैतूल ने कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होने दिया जाएगा, जल्दी ही जगह का मौका-मुआयना कर दोषी पर उचित कार्यवाही की जायेगी।

-निश्चल एन. झारिया,
एसपी बैतूल

क्या मां ताप्ती के उद्गम का सौभाग्य छिन जाएगा बैतूल से..?

सुनील द्विवेदी, बैतूल

बैतूल। यदि बैतूल जिले का कोई वासी अन्य कहीं अपना परिचय देता है तो ये बात बहुत गर्व से बोलता है कि जीवनदायी सूर्यपुत्री मां ताप्ती का उदगम हमारे बैतूल जिले से है। वो मुलताई का पूर्व मूलतापी भी बताता है। लेकिन बैतूल वालों का यह सौभाग्य इस समय खतरे में है। दरअसल राज्य सरकार ने प्रशासनिक पुर्नगठन आयोग का गठन बीते सितंबर में किया था। इसकी जिम्मेदार सेवानिवृत्त आईएएस मनोज श्रीवास्तव और मुकेश शुक्ला को दी है। इस आयोग ने संभागवार समीक्षा बैठक भी आरंभ कर दी है। इससे पूरे मध्यप्रदेश का आंतरिक नक्शा काफी जगह बदलने वाला है। इसी कड़ी में यह सुगबुगाहट है कि बैतूल जिले की मुलताई तहसील को नए बने पांढुरना जिले में जोडक़र इसे बेबी जिले को बड़ा बनाया जा सकता है। अंदरूनी प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार स्थानीय प्रशासन भी राजधानी के संकेतों को समझकर ऐसा ही करने का प्रस्ताव बना चुका है। प्रस्ताव के अनुसार मुलताई तहसील बैतूल जिले में आती है लेकिन भौगोलिक दृष्टि से मुलताई की पांढुर्णा से निकटता और व्यापारिक संबंध इस क्षेत्रीय बदलाव की संभावनाओं को मजबूत कर रहे हैं। बैतूल जिले से मुलताई की दूरी 59 किलोमीटर है, जबकि ये पांढुर्णा से मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर है। यह दूरी कम होने से मुलताई के लोगों को पांढुर्णा पहुंचने में आसानी होती है। पांढुर्णा का व्यापार भी मुलताई से जुड़े रहने के कारण वहां के लोगों के लिए यह निर्णय लाभकारी हो सकता है।

लेकिन प्रशासनिक इस प्रस्ताव का विरोध न सिर्फ बैतूल जिले के ताप्ती भक्त कर रहे हैं बल्कि मुलताई के लोग भी बैतूल से अपने दशकों के संबंध को नहीं तोडऩा चाहते हैं। मुलताई के लोगों का कहना है कि यदि मुलताई को बैतूल से अलग करना है तो इसे नया जिला ही बना देना चाहिए। मुलताई का बैतूल से अलग होना न सिर्फ भौगोलिक और व्यापारिक-प्रशासनिक असर दिखायेगा बल्कि राजनीति पर भी असर डालेगा। मुलताई के कांग्रेस नेता सुखदेव पांसे जिले के सबसे प्रमुख कांग्रेसी नेता हैं वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष और भाजपा के दबंग नेता राजा पवार भी मुलताई से हैं। भाजपा के सबसे सीनियर विधायकों में से एक चंद्रशेखर देशमुख भी मुलताई के हैं तो दो सामान्य सीटों में से एक मुलताई की है। मुलताई भले ही सामान्य सीट हो लेकिन बैतूल जिले की बहुसंख्यक आबादी वाला कुनबी समाज के लिए यह सीट 'आरक्षित' रखी है। दोनों ही दल कुनबी प्रत्याशी ही मैदान में उतारते हैं। दूसरे नंबर पर पवार समाज यहां अपनी किस्मत आजमाता है। लेकिन यदि मुलताई पांढुर्ना जिले में चला गया तो बैतूल जिले के लिए एक ही सामान्य सीट रह जाएगी और मुकाबला कड़ा हो जाएगा जो दोनों दलों की राजनीति पर गहरा असर डालेगा। अब देखना है कि आयोग की टीम जब बैतूल मुलताई के दौरे पर आती है तो बैतूल और मुलताई की जनता, जनप्रतिनिधि और प्रशासन किस तरह से और क्या मांग रखते हैं.. उससे ही फैसला होगा कि हम बैतूल वासी मां ताप्ती के आंगन के बेटे कहने का सौभाग्य कायम रख पाएंगे या नहीं..?

15 को धार में जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे राज्यपाल और मुख्यमंत्री

जनजाति समाज के जीवन, रीति-रिवाजों, पारंपरिक कला, और सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराने लगेगी पोस्टल टिकिट प्रदर्शनी

धार। जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर के अवसर पर धार के प्रधानमंत्री कॉलेज एक्सीलेंस परिसर में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शामिल पोस्टल टिकट्स पर ट्राइबल कला और संस्कृति को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी सभी के लिए एक बहुत ही अनूठा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अनुभव हो सकता है। इस तरह की प्रदर्शनी में जनजाति कला और संस्कृति को पोस्टल टिकट्स के माध्यम से दिखाया जाता है, जो दर्शकों को आदिवासी समाज के जीवन, रीति-रिवाजों, पारंपरिक कला, और सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराती है।

जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर आयोजित समारोह में दोपहर लगभग एक बजे गवर्नर मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आएँगे।

ज़िला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी ने बताया कि इस टिकिट प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की आदिवासी कलाएं जैसे वारली पेंटिंग, गोंड कला, पिथोरा, सांभर पेंटिंग और संथाल जैसी लोक कला को प्रदर्शित किया जा रहा है। इन टिकटों पर न केवल कलाकृतियां हैं, बल्कि यह भी बताया जाता है कि इनका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व क्या हैडाक टिकटों पर आदिवासी त्योहारों, पारंपरिक वस्त्रों, आभूषणों और अन्य प्रतीकात्मक सांस्कृतिक तत्वों को दर्शाने वाली सामग्री शामिल है। इसके अलावा धार के स्व सहायता समूह द्वारा निर्मित सामग्रियों, मिलेट् से बनी कुकी आदि के स्टाल आकर्षण का केंद्र बनेंगे। स्वराज संस्थान संचनालय भोपाल भी एक स्टाल में आदिवासी समाज के ऐतिहासिक लोक नायकों की प्रदर्शनी के माध्यम से जन सामान्य को अवगत कराएगा। 09 स्टॉल के माध्यम से आदिवासी समाज के लिए सरकार की योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। स्थानीय जनजाती कलाकारों द्वारा अपनी गायन और नृत्य कला का भी प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही आदिवासी व्यंजन का स्टॉल भी लगाया जाएगा। विभिन्न योजना से जिले के हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया जायेगा।

गुरू मां चंद्रमति माताजी का मानतुंगगिरी तीर्थ पर हुआ मंगल प्रवेश

धार। गुरु मां चंद्रमति माताजी का वर्षा योग पश्चात मानतुंगगिरी तीर्थ क्षेत्र पर सोमवार को मंगल प्रवेश हुआ। मंगल अगवानी में प्रमुख रूप से क्षेत्र अध्यक्ष नरेश गंगवाल, उपाध्यक्ष विनय छाबड़ा, आशीष जैन, किशोर जी, मौसम झांझरी, अशोक कासलीवाल, डॉ कमल जैन, संजय गंगवाल बेरछा, योगेंद्र जैन बाउजी, संजय गंगवाल, नवीन गोधा, उत्तम काला, प्रकाश काला, चिमन काला, महिला मंडल अध्यक्ष नेहा छाबड़ा,, सचिव शिवानी रावका, सह सचिव नीता झांझरी, महिला महासमिति से ममता गंगवाल, राजकुमारी जैन, रेखा कासलीवाल, विशेष रूप से दीपा भाई पादरा गुजरात, नीलेघ घिया बडौदा आदि मौजूद थे। जानकारी मीडिया प्रभारी सुभाष जैन ने दी।

लार्वा सर्वे अभियान सतत जारी

विदिशा (निप्र)। मलेरिया विभाग का सतत् लार्वा सर्वे का अभियान निरंतर जारी है। टीम द्वारा अब तक 24186 घरों का लार्वा सर्वे किया गया है। जिला मलेरिया अधिकारी के नेतृत्व में शहरी क्षेत्र विदिशा के आर्चाय कालोनी, टीलाखेड़ी, बंटीनगर, पीतलमील, जतरापुरा, स्वर्णकार कालोनी, हरिपुरा, ब्लॉक विदिशा के ग्राम करैया हवेली में 340 घरों का लार्वा सर्वे कार्य किया गया। 01 घर में लार्वा पाये जाने पर टीम द्वरा लार्वा विनिष्टीकरण की कार्यवाही की गईं। डेंगू प्रतिबंधात्मक गतिविधि के अंतर्गत कीटनाशक दवा का छिड़काव फॉगिंग कार्य किया गया तथा डेंगू से बचाव संबंधी स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से जनसमुदाय को बताया गया कि वह अपने घर एवं घर के आस-पास में पानी एकत्रित न होने दे टायर, गमले, कूलर, पानी टंकी की नित्य सफाई करे तथा मच्छरदानी का उपयोग करे व फुल अस्तीन के कपड़े पहने व मच्छर पनपने न दे। एनजीओ के माध्यम से भी स्कूलध्कालेज में डेंगू से बचाव की वीडियो दिखाकर छात्रों को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही डेंगू प्रचार वाहन के द्वारा विदिशा शहर के वार्डो में प्रचार किया जा रहा है। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार डेंगू के 74 सेम्पल लिये गये जिसमें 5 मरीज डेंगू पॉजिटिव पाये गये। जिला चिकित्सालय में 2 एवं मेडीकल कालेज में 2 मरीज भर्ती है जिनकी स्थिति सामान्य है।

विधिक जागरूकता प्रदर्शनी एवं मैराथन दौड़ के साथ न्यायोत्सव : विधिक सप्ताह का किया समापन

बैतूल (निप्र)। विधिक जागरूकता प्रदर्शनी एवं मैराथन दौड़ के साथ जिले में न्यायोत्सवः विधिक सप्ताह का समापन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्राणेश कुमार प्राण द्वारा शनिवार को प्रातः 6 बजे मैराथन दौड़ को जिला न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मैराथन दौड़ में लीगल एड डिफेंस काउसंल, पैनल अधिवक्ता, अधिवक्तागण, पैरालीगल वालेंटियर्स, न्यायालयीन कर्मचारी, समाज सेवी, स्कूली बच्चे, विधि महाविद्यालय की छात्र-छात्राएं व अन्य सदस्यगण आदि शामिल हुए। मैराथन दौड़ के पश्चात् प्रातः 10:30 बजे जिला न्यायालय परिसर बैतूल में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैतूल श्री प्राणेश कुमार प्राण द्वारा फीता काटकर विधिक जागरूकता प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। इस दौरान अध्यक्ष श्री प्राण द्वारा जागरूकता प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया। विधिक जागरूकता प्रदर्शनी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं एवं शासन के विभिन्न विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जेल विभाग, आयुष विभाग, श्रम विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, वन विभाग, परिवहन विभाग के स्टॉल लगाये गये, जिसमें विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शनी में उपस्थित स्कूली, विधि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं व अन्य आमजनों को जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ.कु महजबीन खान, अपर जिला न्यायाधीश श्रीमती निहारिका सिंह, श्री आशीष टांकले, श्री हेमंत कुमार यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती संगीता भारती राठौर, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड- श्री सुरेश यादव, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड श्री अरुण सिंह अलावा, श्री शुभम नीमा, सुश्री ऋतु प्रजापति, प्रशिक्षु न्यायाधीश- सुश्री शिखा पिसाल नीमा, श्री नयन जैन, श्री रज्नेश पाल, सुश्री अस्मिता पाल, जिला विधिक सहायता अधिकारी- श्री सोमनाथ राय उपस्थित रहें।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने आनंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 82 विद्यार्थियों को निःशुल्क साईकिल वितरण की

धार। सोमवार को केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर के करकमलों से धार नगर के घोड़ा चौपाटी आनंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक दो में 82 विद्यार्थियों को निशुल्क साईकिल वितरण की गई जिसमें मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ,स्कूल प्राचार्य ममता सोलंकी उपस्थित रहे। साइकिले प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार इस वर्ष 2024-25 में

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को 4 लाख 50 हजार साइकिलें निःशुल्क वितरित की जा रही हैं। इसके लिये विभागीय बजट में 195 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

इस अवसर पर अनिल यादव व्याख्याता राजकुमार मेरबानी, एनएसएस प्रभारी प्रकाश दायमा, व्याख्याता किरण पवार, स्काउट प्रभारी भारती वर्मा साइकिल प्रभारी श्यामराव लहरे, लेखापाल नर्मदा कौशल, शिक्षक दुर्गेश मकवाना सहित समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्यक्तित्व विकास शिविर का समापन

संपूर्ण राष्ट्र में जन जागृति आ सके इसके लिए समाज के लिए पंच परिवर्तन में हमारी भी हो भूमिका : मोहन नागर

हीरालाल गोलानी

सोहागपुर। संपूर्ण राष्ट्र में जन जागृति आ सके इसके लिए समाज के लिए पंच परिवर्तन में हमारी भी हो भूमिका के साथ सभी सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व करें। इसके साथ ही हम सभी की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में हम सब संकल्पित होकर संपूर्ण समाज के अंदर पंच विकास के लिए सतत प्रयत्नशील हो ताकि हम सभी के प्रयासों से जन जागृति आ सके इसके लिए इन पांच प्रकार के कार्यों को करना होगा। सबसे पहला कार्य है नागरिक कर्तव्य बोध, दूसरा कार्य है- स्व का बोध, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन करने पर संपूर्ण समाज का इन पांचो दिशाओं से विकास होगा उक्त उद्गार मां नर्मदा के पावन तट नेमावर स्थित श्री दिगंबर जैन सिध्दोदय क्षेत्र रेवातट में विचार भारती के पांच दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि मोहन नागर 'उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद राज्य मंत्री दर्जा' एवं भारत भारती बैतूल सचिव ने कहें।इस अवसर अनिल जी अग्रवाल सह संगठन मंत्री विद्या भारती मध्य भारत प्रांत, श्री संदीप जी केकरे सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान प्रांतीय समिति के सम्माननीय सदस्य, श्रीराम कुमार व्यास विभाग समन्वयक नर्मदापुरम, आलोक जैन हरदा, नगर बाल विकास समिति के सचिव एवं शिशु मंदिर हरदा के पूर्व छात्र मंचासीन थे। आपने आगे कहा ने बताया कि पांच दिवसीय नेतृत्व विकास शिविर में आप सभी भैया बहन अपनी अपनी योग्यता के अनुसार सभी क्षेत्रों में नेतृत्व करने के लिए यहां उपस्थित हुए थे। समापन की इस बेला में मैं सभी को अग्रिम शुभकामनाएं प्रदान करता हूं कि आप सभी सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व करके देश को नई दिशा दें। इसी अवसर पर मुनि श्री वीर सागर महाराज जी के मार्गदर्शन के पश्चात पद प्रक्षालन किया गया आशीर्वाद स्वरुप सभी भैया बहनों को लेखनी अतिथियों ने प्रदान की। इसके पूर्व अतिथियों को आलोक जैन ने भेंट स्वरूप अंग वस्त्र प्रदान किए। कार्यक्रम में पांच दिवस नेतृत्व विकास शिविर का प्रतिवेदन शिविर संयोजक बसंत जी पटेल प्राचार्य पिपरिया ने प्रस्तुत किया। आभार प्रदर्शन श्रीराम कुमार जी व्यास विभाग समन्वयक नर्मदापुरम विभाग ने व्यक्त किया। अंत में शांति पाठ के साथ समारोह का समापन हुआ।

रविवार को करेली में पूर्व राज्यसभा सांसद की उपस्थिति में सहारिया जी का नागरिक अभिनंदन

सोहागपुर। विख्यात बुन्देली कवि राजेन्द्र सहारिया के आकस्मिक निधन में एक अजीब संयोग जुड़ गया है। करेली में साखी साहित्य परिषद ने रविवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया था। इस कवि सम्मेलन में पंडित राजेन्द्र सहारिया,शरद व्यास एवं कवि अमित बिल्लौरे को आमंत्रित किया गया था। अमित बिल्लौरे ने इस प्रतिनिधि को बताया कि साखी साहित्य परिषद ने

सर्वप्रथम पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी,साखी साहित्य परिषद करेली अध्यक्ष कवि नारायण श्रीवास्तव एवं अन्य अतिथियों ने विख्यात बुन्देली कवि राजेन्द्र सहारिया का नागरिक अभिनंदन किया गया था। आपने आगे बताया कि अभिनंदन के उपरांत हम तीनों कवियों सहित, करेली एवं अन्य नगरों से आए आमंत्रित 14, अतिथि कवियों ने अपनी रचनाओं को प्रस्तुत किया था। लेकिन सुबह उनके निधन की सूचना ने मन झकझोर करके रख दिया। उल्लेखनीय है कि करेली के साखी साहित्य परिषद के कवि सम्मेलन का संचालन अमित बिल्लौरे ने किया था। करेली साखी साहित्य परिषद के कवि सम्मेलन में पंडित राजेन्द्र सहारिया के साथ गए कवि शरद व्यास ने शोक व्यक्त करते बताया कि श्री सहारिया जी वहां अपने जीवन की अंतिम रचना 'बिना टिकट को खेल भैया बिना टिकट को खेल.. झां' तालियों की गड़गड़ाहट की बीच सुनाई थी। साहित्यकार जीवन जी दुबे ने बताया कि पंडित राजेन्द्र सहारिया सहारिया बुंदेली रचनाओं के लिए देश में जाने जाते थे। बड़े बड़े मंचों पर उन्होंने सोहागपुर का नाम गौरवान्वित किया है उनके निधन से साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

कलेक्टर श्री सिंह ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने शनिवार शाम को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिए कि सभी राजस्व अधिकारी सीमांकन, नामांतरण और बंटवारे जैसे लंबित राजस्व प्रकरणों को लोक सेवा अधिनियम की निर्धारित समय सीमा में निराकृत करें। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश भी बैठक में दिए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय एवं सुश्री रजनी वर्मा के अलावा एसडीएम टिमरनी श्री महेश बडोले, एस डी एम हरदा श्री कुमार शानू देवडिया और एस डी एम खिरकिया श्री अशोक डेहरिया सहित सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें, और बार-बार अतिक्रमण करने वालों को जेल भेजने की कार्यवाही भी करें। उन्होंने कहा कि चरनोई की भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान शुरू कर इस माह के अंत तक चरनोई की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करें तथा इस आशय का प्रमाण पत्र भी दें। उन्होंने कहा कि कोई भी राजस्व प्रकरण ऑफलाइन दर्ज न किया जाए, आरसीएमएस पोर्टल के माध्यम से ही प्रकरण दर्ज व निराकृत किए जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देश दिए कि रीडर की लॉगिन पर कोई भी आवेदन एक भी दिन लंबित न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने राजस्व विभाग से संबंधित सी एम हेल्पलाइन की लम्बित शिकायतों के निराकरण की भी बैठक में समीक्षा की।

विख्यात बुन्देली कवि राजेन्द्र सहारिया का आकस्मिक निधन

सुबह सवेरे सोहागपुर। विख्यात बुन्देली कवि राजेन्द्र सहारिया का साइलेंट अटैक से अलग सुबह आकस्मिक निधन। सोहागपुर नगर में शौक की लहर। आज दोपहर उनकी अंतिम यात्रा मारूपुरा से प्रारंभ हुई। इस अंतिम यात्रा भारी संख्या में नागरिक शामिल हुए। उनका अंतिम संस्कार जमनी मुक्तीधाम में किया गया।

ज्ञातव्य है कि आप पलकमती साहित्य परिषद के संरक्षक थे। अपने कवियक क्षेत्र में हमेशा अपनी रचनाओं को नवीन उर्जा देकर वाह वाही लुटी है। उनके निधन पर पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पंडित मधुसूदन मुदगल ने कहा कि पूज्य गुरुदेव का ब्रह्मलीन होना सोहागपुर नगर ही नहीं सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी छति है। वरिष्ठ पार्षद जमील खान ने कहा अत्यंत दुखद समाचार, परिवार ही नहीं संपूर्ण नगर को अपूर्णनीय क्षति। डॉक्टर सोमेश सिटोके ने कहा दुखद अत्यंत दुखदवरिष्ठ कवि, संगीत के पुरोधा, गायक, विप्र श्रेष्ठ राजेंद्रकुमार सहारिया जी का ब्रह्म मुहूर्त में अचानक निधन ईश्वर अपने श्री चरणों में स्थान दें।

पत्रकार एवं कवि अमित बिल्लौरे ने कहा 'हे

भगवान' रविवार रात 10 बजे आदरणीय भैया के साथ मैं और एवं कवि शरद भैया व्यास करेली में कवि सम्मेलन कर लौटे हैं। वहां आदरणीय सहारिया जी का नागरिक अभिनंदन कल दोपहर किया गया था। मुस्लिम त्योहार कमेटी अध्यक्ष वसीम खान ने कहा आदरणीय गुरु जी को सादर नमन ओम शांति ओम। वकील राजू तिवारी ने कहा परम आदरणीय श्री गुरु देव का अचानक हम सभी को छोड़ कर चला जाना हदय विदारक घटना है। ईश्वर आदरणीय गुरुदेव को अपने श्री चरणों में स्थान देवें।

भाजपा नेता विशाल गोलानी भी विख्यात बुन्देली कवि- राजेन्द्र सहारिया के निधन पर शोक व्यक्त किया है।अरविंद रघुवंशी भोपाल ने कहा आदरणीय पंडित राजेन्द्र सहारियाजी के निधन की सूचना बहुत ही दुखद और हृदय को झकझोर देने वाला है। ईश्वर भी अच्छे लोगो को धरती पर नहीं रहने देता है अपने पास बुला लेता है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।अपने श्री चरणों में उच्च से उच्च स्थान दे। शोकाकुल परिवार को गहन दुख सहन करने की शक्ति दे। जीवन जी दुबे ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि आपने नगर के नवोदित कवियों का तराशा है। बालपुरी गोस्वामी ने कहा है कि बाल सखा के निधन से अपूर्ण क्षति।

अपूर्ण क्षति। सोहागपुर नगर के लिए एक सही मार्ग दर्शन देने वाले नहीं रहे अपूर्णीय क्षति हुई है। इसके अलावा नगर के समस्त सोशल मीडिया पर उनके निधन पर हर तबके ने शोक व्यक्त करके गहन दुःख जताया है।

एक्ट ईव फाउंडेशन द्वारा आयोजित सुनहरे दौर के गीतों का देर रात तक आनंद लेते रहे श्रोता

देवास। शहर की सामाजिक संस्था 'एक्ट-ईव फाउंडेशन द्वारा रविवार को आयोजित सदाबहार गीतों की शाम 'जीना इसी का नाम है' में उपस्थित श्रोता कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सुनहरे दौर के

फिल्मी गीतों का देर रात तक आनंद लेते रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूप में उपस्थित जिलाधीश श्री ऋषव गुप्ता ने दो निःशक्त जनों को संस्था द्वारा प्रदत्त व्हीलचेयर भी भेंट की।

एक्ट ईव फाउंडेशन अध्यक्ष मोहन वर्मा ने बताया कि संस्था ने यह कार्यक्रम सुमित्राज क्रियेशन

इंदौर के साथ मिलकर आयोजित किया था। कार्यक्रम के आरंभ में स्टेट प्रेस क्लब इंदौर के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, सोनाली यादव, ख्यात शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली,जन परिषद मालवा के सह संयोजक जितेन्द्र पुरोहित, पत्रकार श्रीकांत उपाध्याय,खुमान सिंह बैस,राजेश मालवीय ने माँ सरस्वती के पूजन पश्चात दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुवात की। गायक कलाकार सिद्धार्थ शुक्ला मुंबई, सुमित्रा जोशी,भूपेश भारद्वाज, आशा निसर्गगंध,अहमकुमार इंदौर, देवेन्द्र पंडित और मोहन वर्मा देवास ने एक सुन्दर प्रार्थना से कार्यक्रम की शुरुवात की। कलाकारों द्वारा कार्यक्रम मे प्रस्तुत किए गए सुनहरे दौर के सदाबहार गीतों पर देर रात तक लोग झूमते रहे। संगीत संयोजन हेमेंद्र महावर और टीम इंदौर का था। कार्यक्रम में मानवता और जरूरतमंदों की सहायता में लगी सुमित्राज क्रियेशन इंदौर की डायरेक्टर सुश्री सुमित्रा जोशी को जिलाधीश ने 'स्वयंसिद्धा सम्मान' से सम्मानित किया और उपस्थित दो निःशक्त जनों ओमप्रकाश जी तथा अरसदअली जी को संस्था एक्ट ईव फाउंडेशन द्वारा प्रदत्त व्हीलचेयर भी भेंट की। कार्यक्रम में प्रेस क्लब अध्यक्ष ललित शर्मा,सचिव शेखर कौशल, पार्षद प्रवीण वर्मा एक्ट ईव टीम के किशोर असनानी, विजय श्रीवास्तव,अजय सोलंकी, मुकेशतिवारी, प्रदीप शर्मा, योगेन्द्रसिंह चावडा, ईसाक भाई, अमल बेरा, नवप्रीत अरोरा,प्रवीण शर्मा, वंदना शर्मा, श्रीमती गुलाब वर्मा,शकुंतला मालवीय, दीक्षा दुबे, गंगासिंह सोलंकी, लक्ष्मण धूरिया, ललित भाटी सहित इंदौर सहित बड़ी संख्या में संगीतप्रेमी उपस्थित थे।

बुधनी में विशाल मतदाता जागरूकता रैली आयोजित

सीहोर (निप्र)। बुधनी विधानसभा उपचुनाव में अधिक से अधिक मतदान के लिए मतदाताओं को प्रेरित करने बुधनी में विशाल मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली में 3000 से अधिक छात्र-छात्राएं, अधिकारी कर्मचारी तथा मतदाता शामिल हुए। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली मतदाता जागरूकता रथ, बेंड-बाजे और मतदाता जागरूकता फ्लेक्स एवं प्लेकार्ड हाथ में लिए हुए मतदाताओं

के साथ बुधनी के दशहरा मैदान से प्रारंभ हुई और नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए तहसील में रैली का समापन हुआ। कलेक्टर श्री सिहं ने रैली के समापन पर सभी को स्वयं मतदान करने तथा मतदान के लिए अन्य मतदाताओं को प्रेरित करने की शपथ दिलाई। रैली के प्रारंभ के साथ ही छात्र-छात्राओं एवं मतदाताओं ने सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो....., अपनी ताकत को पहचान, चलो करें मतदान..... सहित अनेक मतदाता जागरूकता के नारे तथा मतदान का संदेश का उद्घोष करते हुए मतदाताओं को प्रेरित किया। रैली के माध्यम से मतदाताओं को अपने मताधिकार के महत्व के प्रति जागरूक किया गया और मतदान के दिन अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान करने की अपील की गई। रैली में एसडीएम श्री दिनेश सिंह तोमर, तहसीलदार श्री सौरभ वर्मा, जनपद सीईओ श्री देवेश सराठे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय मतदाता शामिल हुए।

छतरपुर में खाद के लिए भगदड़, कर्मचारी बर्खास्त

सीढ़ी ढहने से किसान के पैर की उंगलियां टूटीं; तहसीलदार की गाड़ी के सामने लेटा

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में खाद का टोकन लेने पहुंचे किसानों के बीच भगदड़ मच गई, जिसमें एक किसान के पैर की दो उंगलियां सीढ़ी ढहने से टूट गईं। नाराज किसान तहसीलदार की गाड़ी के सामने बीच रोड पर लेट गया। फिर तहसीलदार ने किसान को समझाइश देकर अस्पताल भिजवाया।

इस मामले में किसानों के साथ अमर्यादित आचरण करने वाले एमपी एग्रो के कर्मचारी अमन सैनी की सेवा समाप्त कर दी गई है। वहीं जिला प्रबंधक को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जानकारी के अनुसार बुवाई का सीजन होने के कारण एक हफ्ते से किसान खाद के लिए वेयरहाउस और दुकानों के चक्कर लगा रहे हैं। सोमवार को खाद वितरण की सूचना मिलते ही किसान जवाहर रोड स्थित आईसीआईसीआई बैंक के पास एग्रो में सुबह 8 से पहुंच। जब 10 बजे तक कोई अधिकारी नहीं पहुंचा तो किसानों ने रोड पर जाम लगा दिया। कुछ समय बाद अधिकारी और जल्द खाद देने की बात पर किसानों से जाम खुलवाया। टोकन बांटने के लिए एक कर्मचारी जैसे ही किसानों के बीच पहुंचा, सभी ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान टोकन लेने भगदड़ मच गई।

तहसीलदार की गाड़ी के आगे लेटा घायल

भगदड़ में घायल किसान रोड पर लेट गया। इसी समय तहसीलदार संदीप तिवारी किसी काम से निकल रहे थे। ड्राइवर के 5 मिनट तक हॉर्न बजाने पर भी किसान रोड से नहीं हटा तो तहसीलदार ने गाड़ी से उतरकर उसे पानी पिलाया और रिक्शा से अस्पताल भेजा। हालांकि, इसके बाद वो मौके से निकल गए।

घायल छापर निवासी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि वह खाद लेने के लिए छतरपुर आए थे। अधिकारी सीढ़ी पर खड़े होकर पर्ची बांट रहे थे, तभी सीढ़ी पर भार बढ़ने वो टूट गई। घायल के भाई ने आरोप लगाया कि अधिकारियों की लापरवाही से कई दिनों से खाद नहीं मिल रहा है।

महिलाएं और बुजुर्ग भी लाइन में लगे

महिला रामरति ने बताया कि वह खाद के लिए कई दिनों से परेशान है। अधिकारियों ने कहा था कि सोमवार को खाद मिलेगा। इसके लिए हम लोग सुबह से भूखे-प्यासे लाइन में लगे हैं। हमारा लड़का गिर गया, जिससे उसको गंभीर चोट आई है।

सटई से आए किसान कमलेश पटेल ने बताया कि सुबह 6 से खाद के लिए आए हैं। न खाना खाया और न ही पानी पिया है। यहां पर कहा जाता है कि आपको खाद यहां नहीं मिलेगा मंडी जाओ। हम लोग मंडी जाते हैं तो वहां कहा जाता है कि आप लोग एग्रो जाओ। यहां हम खाद के लिए रोज परेशान हो रहे हैं।

माखननगर रोड पर भीषण हादसा, दो युवकों की मौत

घटनास्थल से शराब की बोतलें बरामद, शराब तस्करी की आशंका

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम में माखननगर रोड पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें मौके पर ही नर्मदापुरम के दो युवकों की मौत हो गई। घटना रविवार रात 2 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद 108 एंबुलेंस और डायल 100 स्टाफ ने मौके पर पहुंचकर मृतकों को अस्पताल भिजवाया।

सोमवार सुबह बड़ी संख्या में परिजन और लोगों की भीड़ जिला अस्पताल लग गई। मृतकों के नाम विक्की उर्फ विकास सावरकर और शेख समीर है। दोनों की उम्र 24 से 25 साल है। रात करीब 2 बजे दोनों माखननगर की तरफ से नर्मदापुरम आ रहे थे। घटनास्थल पर किंगफिशर बियर की खाली कैन, पेटी के खाली बॉक्स व देशी शराब से भरे दो क्वार्टर पड़े मिले। बियर की खाली कैन, देशी शराब के क्वार्टर व खाली बॉक्स ऐसे कई सबूत शराब तस्करी की ओर इशारा कर रहे है। फिलहाल पुलिस सड़क हादसा मान जांच कर रही है।

घटनाक्रम में शराब तस्करी की बात सामने आ रही है। हालांकि अवैध शराब को लेकर फिलहाल पुलिस और परिजन दोनों ने पुष्टि नहीं की है। घटना स्थल पर देशी शराब भरे दो बोतल और बियर की खाली बोतलें मिली हैं।

जांच में स्पष्ट होगा किस लाइसेंसी की शराब

घटना स्थल पर देशी शराब के पाव और खाली किंग फिशर बियर की कैन के बेच नंबर की सही तरह से आबकारी और पुलिस जांच करें तो स्पष्ट होगा कि शराब किस लाइसेंसी की थी। मौके से मिली किंगफिशर बियर की खाली कैन, देशी शराब के क्वार्टर मिले।

बाइक से 60 फीट दूर पड़ा मांस और चप्पल

माखननगर रोड पर तवा पुल से करीब 1 किमी पहले हादसा हुआ है। बाइक किस वाहन से टकराई है। ये अभी क्लियर नहीं हो पाया। बाइक के पास काफी मात्रा में खून बिखरा हुआ है। बाइक से 60 फीट दूर पर मृतकों के मांस का टुकड़ा और चप्पल पड़ी हुई है।

परिजनों को धकेलना पड़ा स्ट्रेचर

जिला अस्पताल में शव को पोस्टमार्ट्म कक्ष तक ले जाने के लिए हर बार की तरह इस बार भी वार्डबाय या कोई सफाईकर्मी नहीं मिला। जिससे परिजन ही शव को पोस्टमार्ट्म के लिए ले जाते दिखे। नर्मदापुरम में आएं दिन जिला अस्पताल में यह स्थिति देखने को मिलती है। लेकिन जिला अस्पताल प्रबंधन और जिला प्रशासन की सेहत पर इसका कोई असर नहीं पड़ता है।

पानी के पहुँचते ही किसानों के चेहरे पर खुशियां झलकी

खेतों में पहुंचा चंबल का पानी तो भांगड़ा करने लगे बीजेपी विधायक और पूर्व मंत्री हरदीप सिंह डंग

मंदसौर (नप्र)। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित 226वीं विधानसभा सीट सुवासरा के वर्तमान भाजपा विधायक हरदीप सिंह डंग का डांस करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पूर्व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री तथा वर्तमान विधायक डंग भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जमकर थिरक रहे हैं।

विधायक का नाचते हुए वीडियो शहर सहित जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जा रहा है कि जलजीवन मिशन के तहत चंबल नदी का पानी सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के किसानों के खेतों में पहुंचा। इसलिए विधायकजी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ इस तरह नाचकर खुशी का इजहार किया। बता दें कि यह वही हरदीप सिंह डंग हैं, जो ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए थे। इसके बाद वह भाजपा से चुनाव भी जीते। इन्हें तब शिवराज सिंह सरकार में नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री बनाया गया था। वर्तमान में डॉ. मोहन यादव की सरकार में ये विधायक ही हैं।

ये है विधायक हरदीप सिंह डंग का प्रोफाइल- हरदीप सिंह डंग भाजपा से विधायक हैं। इन्होंने 2018 का चुनाव कांग्रेस से लड़ा और बीजेपी के राधेश्याम पाटीदार को हराया था। इसके बाद यह सिंधिया के साथ बीजेपी में शामिल हो गए। बाद में 2020 के उपचुनाव में बीजेपी से चुनाव लड़ते हुए कांग्रेस के राकेश पाटीदार को हराया।

पूर्व में रह चुके हैं मंत्री- 2 मार्च 1968 को जन्मे बीजेपी के हरदीप सिंह डंग वर्तमान में मध्यप्रदेश शासन में नवीन, नवकरणीय ऊर्जा एवं पर्यावरण विभाग मंत्री रह चुके हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में मंत्री डंग ने कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ते हुए सुवासरा विधानसभा में कुल 92 हजार 169 वोट हासिल किए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी राधेश्याम पाटीदार भाजपा से चुनाव लड़ते हुए 87 हजार 967 प्राप्त किए। इसके बाद 2020 में उपचुनाव हुए। बीजेपी से चुनाव लड़ते हुए मंत्री डंग ने अपने जीत के अंतर को बढ़ा दिया और उन्होंने कांग्रेस के राकेश पाटीदार को हराते हुए 29 हजार 440 वोटों से जीत हासिल की।

मधुमक्खियों के काटने से पूर्व पार्षद की मौत

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में बीती 7 नवंबर को मधुमक्खियों के काटने से 65 वर्षीय पूर्व पार्षद की मौत हो गई थी। वे जेसीबी की मदद से खेत पर काम करवा रहे थे। जेसीबी एक पेड़ से टकरा गई और मधुमक्खियों ने लोगों पर हमला कर दिया। पूर्व पार्षद संतावन सिंह घोष मूंगफली की फसल के ढेर में छिपने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान मधुमक्खियों ने काट लिया। उनको इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बेटा बोला- खेत में बेहोश पड़े थे पापा- पूर्व पार्षद संतावन के बड़े बेटे जय घोष ने बताया कि पापा सुबह 8 बजे खेत पर काम करने गए थे। 10 बजे खेत मालिक का फोन आया। उन्होंने बताया कि मधुमक्खी ने आपके पिता को काट दिया है। वह बेहोश हो गए हैं। मैंने चाचा के लड़के को वहां भिजवाया। फिर हम सभी उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्ट्म रिपोर्ट से मौत की वजह सामने आ सकेगी।

मधुमक्खियों के हमले से मौत के ऐसे मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। आखिर मधुमक्खियों के डंक में ऐसा कौन सा केमिकल है, जो जानलेवा है।

म.प्र. के संभाग-जिलों का बदलेगा नक्शा

निमाड़ को नया संभाग, तीन नए जिले बनाने की तैयारी ; इंदौर में शामिल हो सकता है पीथमपुर

(मैप प्रतीकात्मक)

भोपाल (नप्र)। एमपी के संभाग, जिले और तहसीलों के नए सिरे से सीमांकन के लिए इसी साल सितंबर में सरकार ने प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग बनाया है

मध्यप्रदेश का इंटरनल नक्शा बदलने वाला है यानी राज्य के जिले और संभागों की सीमाएं एक बार फिर नए सिरे से तय की जाएंगी। इस बार 3 नए जिले और एक नया संभाग बनाने की तैयारी है। कुछ नई तहसील बनाने और कुछ तहसीलों को दूसरे जिले में शामिल करने का भी प्रस्ताव है। सतना जिले की चित्रकूट तहसील 24 नवंबर को अस्तित्व में आ जाएगी। इसका नोटिफिकेशन हो चुका है। दरअसल, प्रदेश के संभाग, जिले और तहसीलों के नए सिरे से सीमांकन के लिए इसी साल सितंबर में सरकार ने प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग बनाया है। रिटायर्ड आईएएस मनोज श्रीवास्तव और मुकेश कुमार शुक्ला इसके सदस्य हैं।

पुनर्गठन आयोग भोपाल, सागर और ग्वालियर संभाग के जिलों के कलेक्टर्स के साथ बैठक कर चुका है। इसी महीने बाकी संभागों की भी बैठकें होंगी। इसके बाद जिला स्तर पर प्रक्रिया पूरी कर आयोग सरकार को अपनी रिपोर्ट देगा।

नर्मदापुरम से अलग होकर पिपरिया बन सकता है जिला- पिपरिया नर्मदापुरम जिले में आता है। जिला मुख्यालय से पिपरिया की दूरी करीब 70 किमी है। पहाड़ी इलाका होने से आने-जाने में करीब 2 घंटे का समय लगता है। पिपरिया को जिला बनाने की मांग कई साल से की जा रही है।

सिरोंज बन सकता है नया जिला, विदिशा में शामिल होगा सांची- सिरोंज तहसील विदिशा जिला मुख्यालय से 85 किलोमीटर दूर है। स्थानीय लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए विदिशा आने में समय और संसाधनों की बरबादी होती है। सिरोंज को नया जिला बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। नए जिले को अस्तित्व में लाने के लिए लटेरी तहसील और सबसे बड़ी ग्राम पंचायत आनंदपुर को इसमें शामिल किया जा सकता है। हालांकि, आनंदपुर को गुना जिले में शामिल करने का भी सुझाव दिया जा रहा है क्योंकि गुना की दूरी आनंदपुर से सिरोंज के बराबर है। इसी तरह विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची भी विदिशा में शामिल हो सकता है।

बीना को जिला बनाने की मांग पर आयोग की लगेगी मुहर- बीना को जिला बनाने की मांग पिछले 40 वर्ष से हो रही है। अब आयोग इसे अस्तित्व में लाने के लिए अपनी मुहर लगाएगा।

चित्रकूट नई तहसील बनेगी- चित्रकूट सतना जिले में आता है। 24 नवंबर को यह सतना की नौवीं तहसील बनेगा। राजस्व विभाग ने इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी है।

चित्रकूट तहसील की पूर्वी सीमा उत्तर प्रदेश और मझगवां से जुड़ेगी जबकि पश्चिमी सीमा उत्तर प्रदेश और एमपी के पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील से जुड़ेगी। तहसील के दक्षिण में मझगवां तहसील और पन्ना तहसील पड़ेगी। चित्रकूट तहसील की उत्तरी सीमा उत्तर प्रदेश से जुड़ी रहेगी।

बुधनी से नजदीक नर्मदापुरम- पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से जुड़ी बुधनी का जिला मुख्यालय सीहोर है। बुधनी-सीहोर की दूरी 106 किलोमीटर है। जाहिर है कि बुधनी के लोगों को जिला मुख्यालय तक आने-जाने में बहुत दिक्कत होती है। बुधनी की दूरी नर्मदापुरम से सिर्फ 8 किलोमीटर है। ऐसे में संभावना है कि बुधनी को नर्मदापुरम में शामिल कर लिया जाए।

मुलताई का पांढुर्णा से नजदीकी जुड़ाव- वर्तमान में मुलताई तहसील बैतूल जिले में आती है लेकिन भौगोलिक दृष्टि से मुलताई की पांढुर्णा से निकटता और व्यापारिक संबंध इस क्षेत्रीय बदलाव की संभावनाओं को मजबूत कर रहे हैं। बैतूल जिले से मुलताई की दूरी 59 किलोमीटर है, जबकि ये पांढुर्णा से मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर है।

बड़वानी से धार की दूरी 102 किमी

धार जिले की कुक्षी तहसील को बड़वानी जिले में शामिल किए जाने का प्रस्ताव है। दरअसल, धार से कुक्षी की दूरी 102 किमी है जबकि बड़वानी से महज 27 किमी। कुक्षी के लोगों को धार जाने के लिए 2 घंटे का सफर तय करना पड़ता है।

बदली जा सकती हैं संभागीय सीमाएं

नर्मदापुरम संभाग में सिर्फ तीन जिले नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल हैं। इससे नरसिंहपुर जिले की सीमाएं लगी हुई हैं। फिलहाल, नरसिंहपुर का संभागीय मुख्यालय जबलपुर है। नर्मदापुरम संभाग में नरसिंहपुर जिला शामिल किया जा सकता है। अभी जबलपुर संभाग में 9- जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट, मंडला, सिवनी, डिंडोरी और पांढुर्णा जिले हैं। इसी तरह शहडोल में तीन जिले- शहडोल, उमरिया और अनूपपुर हैं, डिंडोरी जिला शहडोल से सटा हुआ है। इसे जबलपुर संभाग से अलग कर शहडोल में मिलाया जा सकता है।

निमाड़ बन सकता है प्रदेश का 11वां संभाग

निमाड़ को संभागीय मुख्यालय बनाने की तैयारी है। 12 साल पहले 2012 में निमाड़ को संभाग बनाने की मांग उठी थी। इसके बाद राजस्व विभाग ने खरगोन जिला प्रशासन से प्रस्ताव मांगा था। खरगोन के तत्कालीन कलेक्टर अशोक वर्मा ने सितंबर 2016 में प्रस्ताव बनाकर भेजा था लेकिन कुछ संशोधनों का हवाला देकर इसे लौटा दिया गया। इसके बाद फिर नया प्रस्ताव सरकार को भेजा गया था।

इंदौर में शामिल हो सकता है पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया

इंदौर से पीथमपुर की दूरी 26 किमी है जबकि जिला मुख्यालय धार से दूरी 48 किमी है। अब नई कवायद में यदि पीथमपुर इंदौर जिले में शामिल होता है तो प्रशासनिक समस्याएं तो दूर होंगी ही, साथ में प्रदेश में इंदौर की ग्रोथ के आंकड़ों में भी उछाल आएगा।

'पहले राष्ट्र फिर कास्ट, राहुल गांधी देश को कितना बांटोगे'

कांग्रेस के जातिगत जनगणना की बात पर केंद्रीय मंत्री शिवराज बोले- यही तोड़ने वाले लोग हैं

भोपाल (नप्र)। झारखंड विधानसभा चुनाव में बीजेपी सोरेन सरकार पर बांग्लादेश के घुसपैठियों को शरण देने के आरोप लगा रही है। वहीं राहुल गांधी और कांग्रेस जातिगत जनगणना कराने की मांग कर रही है। राहुल गांधी के जातिगत जनगणना के बयान पर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में कहा-

पहले राष्ट्र, फिर कास्ट। राहुल गांधी कितना बांटोगे भाई। यही तोड़ने वाले लोग हैं। यह देश को बांटने वाले लोग हैं यह भेदभाव पैदा करने वाले लोग हैं। यह देश के हितैषी नहीं है। वोटों की खातिर ये विदेश में भी भारत की आलोचना करते हैं। ये कभी भी भारत के हितैषी नहीं हुए।

तोड़ने वाले लोग कभी सफल नहीं होंगे

शिवराज सिंह चौहान ने कहा- मैं राहुल जी से कहना चाहता हूं। इस देश ने हमेशा सबको समान स्थान अपने हृदय में दिया है। हम सब भारत मां के लाल, भेदभाव का कहां सवाल? चाहे वह ओबीसी हो, एससी हो, एसटी हो या सामान्य वर्ग के गरीब हो अगर किसी ने सामाजिक न्याय भी, दिया है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने दिया है। ये तोड़ने वाले लोग कभी सफल नहीं होंगे जुडेंगे तो जीतेंगे।

वोट बैंक बनाने झारखंड में घुसपैठिए बुला रखे हैं

शिवराज सिंह चौहान ने कहा झारखंड में तो अब विकास के नए प्रतिमान डबल इंजन की सरकार ही स्थापित करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति श्रद्धा और विश्वास और हेमंत सोरेन, जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार का कुशासन, भ्रष्टाचार, उनकी वादाखिलाफी और अपना वोट बैंक बनाने के लिए उन्होंने जो घुसपैठिए बुला रखे हैं उसके कारण जनता बुरी तरह नाराज है।

परिवर्तन की लहर चल रही है। मैं पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं कि भारतीय जनता पार्टी और सहयोगी मिलकर एनडीए का गठबंधन झारखंड में सरकार बन रहा है। हम शानदार बहुमत से वहां विजय हासिल करेंगे और भ्रष्टाचारी सरकार को जनता उखाड़ कर फेंक देंगे।

महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है लाड़ली बहना

लाडली बहना, लाड़ की बहना से महिला सशक्तिकरण का प्रतीक हैं। अलग-अलग नाम से हमारी बहनें सशक्त हो रही हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी जो कहती है वह करती है। हमने मध्य प्रदेश में किया, हमने छत्तीसगढ़, उड़ीसा में किया, महाराष्ट्र में किया। हम जो कहते हैं, वह करते हैं। मोदी है तो मुमकिन है, बाकी तो केवल कहते हैं करते नहीं।

पढ़ाई के दिनों में सब्जी वाले से हुई थी मुलाकात

अब 14 साल बाद एहसान चुकाने भोपाल पहुंचे डीएसपी

भोपाल/ग्वालियर (नप्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में पुलिस की कार्यप्रणाली अक्सर चर्चा में रहती है। चाहे अपराधियों को लेकर उनकी धरपकड़ हो या सोशल मीडिया के जरिए लोगों के बीच सकारात्मक छवि बनाना हो। इन्हीं में एक नाम है एसडीओपी संतोष पटेल का। उनकी

सोशल मीडिया पर लोगों के बीच काफी फैन फॉलोइंग है और वह लगातार अपनी पोस्ट के जरिए समाज को संदेश देने का काम करते हैं।

संघर्ष के साथी भी कम नहीं- संतोष पटेल आए दिन लोगों के बीच में जाते रहते हैं और न सिर्फ उनकी समस्याओं को सुनते हैं बल्कि समाधान का भी प्रयास करते हैं। एसडीओपी संतोष पटेल की मानें तो उन्होंने बचपन से जवानी तक काफी संघर्ष किया है। वह मानते हैं कि उनके साथ रहने वाले अथवा इस संघर्ष में उनके साथ देने वाले भी कम नहीं हैं।

इसलिए लोगों के बीच जाते रहते हैं एसडीओपी- वह कहते हैं कि कई बार लोग पुलिस को लेकर मन में कई तरह की आशंकाएं पैदा कर लेते हैं और अपनी समस्याओं को लेकर पुलिस के पास आने के बजाय अपने स्तर पर ही समाधान करने का प्रयास खोजने लगते हैं। कई बार यह समाधान अपराधिक प्रवृत्ति में भी परिवर्तित हो जाता है। इसीलिए वह समय-समय पर लोगों के बीच जाकर उनसे उनकी समस्याओं के बारे में जानते रहते हैं।

संघर्ष के साथी नहीं भूलने चाहिए- हाल ही में एसडीओपी संतोष पटेल भोपाल आए थे। वहां उनकी संघर्ष के दिनों के एक साथी से मुलाकात हो गई। उन्होंने बताया कि वे जब भोपाल में रहा करते थे, तब पढ़ाई के दौरान कई बार उनके पास खाने के भी पैसे नहीं हुआ करते थे। ऐसे में भोपाल में ही एक सब्जी वाले सलमान खान हुआ करते थे, जो अपने नाम ही की तरह दयावान थे।

फ्री में सब्जी देते थे सलमान- जब हम पर पैसे नहीं हुआ करते थे, तब वह हर सब्जी से एक-एक सब्जी फिर चाहे बैंगन हो, मिर्ची हो, टमाटर हो या आलू हो दे देते थे। सबको मिलकर हमारी दिनभर की सब्जी तैयार हो जाती थी। इसी वजह से कई बार हमने उनके पैसे तक नहीं दिए और जब भोपाल में चल रही ट्रेनिंग के दौरान लाल बत्ती में हम वहां पहुंचे तो देखा वह रेहडी आज भी लगी हुई है।

कनाडा से 2.5 लाख में दी हत्या की सुपारी

भाई के मर्डर का बदला लेने टैक्सी भी हायर कराई ; आधार कार्ड से पकड़े गए शूटर्स

ग्वालियर(नप्र)। ग्वालियर में 7 नवंबर की शाम 7 बजे जसवंत सिंह गिल उर्फ सोनी सरदार (45) की गोलियों से भूनकर हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। ग्वालियर पुलिस के इनपुट पर पंजाब पुलिस ने दोनों शूटर को 9 नवंबर को गिरफ्तार कर लिये। फिलहाल आरोपियों की कस्टडी ग्वालियर पुलिस को नहीं मिल पाई है। यह हत्याकांड आठ साल पहले हुए सुखविंदर सिंह के मर्डर का बदला है।

सुखविंदर सिंह के कनाडा में बैठे भाई सतपाल सिंह सरदार ने 2.5 लाख रुपए में सुपारी देकर जसवंत की हत्या कराई है। सतपाल की ससुराल पंजाब में है। वहां से उसने शूटर्स का इंतजाम किया। ग्वालियर में रेकी और डील के लिए उसने रई मस्तूरा गांव निवासी रिश्तेदार जीते उर्फ जीता सरदार का सहारा लिया।

कॉन्ट्रैक्ट किलिंग के लिए जसवंत के पैरोल पर आने से पहले ही 1 लाख रुपए जीते के अकाउंट में भेजे गए थे। डेढ़ लाख रुपए हत्या के फौरन बाद डाले गए। फिलहाल जीते सरदार पुलिस के हाथ नहीं आया है। पुलिस के मुताबिक, जसवंत की हत्या करने वाले दोनों बदमाश कनाडा के गैंगस्टर अर्शदीप डल्ला से जुड़े हैं। उनकी पहचान पंजाब के बरनाला निवासी नवजोत सिंह और अमलप्रीत सिंह के रूप में हुई है। डबरा की गोपाल बाग सिटी में जसवंत सिंह गिल खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहा था, तभी उसकी हत्या कर दी गई थी।

डबरा की गोपाल बाग सिटी में जसवंत सिंह गिल खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहा था, तभी उसकी हत्या कर दी गई थी।

हत्या के बाद भागने के लिए भी कनाडा से हायर हुई थी टैक्सी- गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जब छानबीन को आगे बढ़ाया तो पता लगा कि हत्या वाले दिन सुबह दोनों शूटर्स- नवजोत और अमलप्रीत ग्वालियर पहुंचे थे। यहां से टेकनपुर गए, जहां होटल में रूम किराए पर लिया था। इसी रूम में जीते ने उनको 1 लाख रुपए दिए। बाइक का इंतजाम भी किया।

शाम को हत्या करने के बाद बदमाश ग्वालियर से सड़क मार्ग के जरिए सीधे पंजाब के मोहाली निकल गए। भागने के लिए लग्जरी टैक्सी हायर की गई थी। यह टैक्सी कनाडा से सतपाल सिंह ने हायर की थी। इसमें सवार होकर दोनों शूटर्स मोहाली पहुंचे। पुलिस ने रास्ते में पड़ने वाले टोल नाके से डिटेल खंगाली तो पता लगा कि यह टैक्सी किसने बुक की थी।

ग्वालियर पुलिस को होटल से मिली सबसे बड़ी लीड- ग्वालियर पुलिस को सबसे बड़ी लीड ग्वालियर-डबरा के बीच टेकनपुर के होटल से मिली। बदमाशों ने यहां 7 नवंबर की सुबह आकर रूम बुक किया था। इसके बाद वे वापस ही नहीं लौटे। शाम को जसवंत सिंह की हत्या करने के बाद वे बाइक से बाइपास तक पहुंचे, जहां उनको टैक्सी तैयार मिली। टैक्सी से वे मोहाली के लिए रवाना हो गए।